

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 25 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 06 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सार-संक्षेप



रायपुर में भाजपा-कांग्रेस पार्षदों ने जोन कार्यालय में लगाया ताला

रायपुर। नगर निगम रायपुर के जोन-8 कार्यालय में शुक्रवार को भाजपा और कांग्रेस पार्षदों ने विरोध प्रदर्शन किया। जनता के मूलभूत काम नहीं होने और लगातार अनदेखी से नाराज पार्षद नारेबाजी करते हुए जोन कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने कर्मचारियों को फटकार लगाई और कार्यालय से बाहर जाने को कहा। इसके बाद सभी कर्मचारियों को बाहर निकलवाकर कार्यालय में तालाबंदी कर दी। इस प्रदर्शन में भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के पार्षद एक साथ नजर आए। जोन अध्यक्ष भी उनके साथ धरने पर बैठ गए। पार्षदों का आरोप है कि निगम प्रशासन जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है।

छत्तीसगढ़ में 3 दिन में 2-3 डिग्री गिरेगा रात का पारा, सुबह और शाम को बढ़ेगी ठंड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब ठंड बढ़ने लगी है। अगले 3 दिनों में प्रदेश के न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आने की संभावना है। इससे रात और सुबह ठंड बढ़ेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 7 नवंबर से प्रदेश में बारिश की संभावना नहीं है। इसके बाद रात के तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश सरायपाली में 30 मिमी और कोंटा में 20 मिमी दर्ज की गई। प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 31 डिग्री रायपुर में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज किया गया।

रायगढ़ में बारूद गोला से जंगली सुअर का शिकार

रायगढ़। खरसिया रेंज के ग्राम कुकड़ीचोली में रहने वाले विजय राठिया को जंगली सुअर का मांस पकाते पकड़ा गया है। उसने बारूद गोले से अपने साथियों के साथ मिलकर जंगली सुअर का शिकार किया है। उड़नदस्ता के सहायक प्रभारी संदीप नामदेव, सोमेश टोप्पो समेत उनकी टीम विजय राठिया को मांस पकाते रंगे हाथों पकड़ा। इसके बाद पके मांस को जब्त कर विजय राठिया को हिरासत में लेकर खरसिया रेंज कार्यालय लाया गया।पूछताछ में यह बात सामने आयी कि उसने अपने करीब 8-10 लोगों के साथ मिलकर बारूद गोला से जंगली सुअर का शिकार किया है।

दिवाली से पहले साय सरकार का तोहफा, विभिन्न शासकीय विभागों में होगी 1703 पदों पर भर्ती

■ छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल पहली बार आयोजित करेगा भर्ती परीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने युवाओं को रोजगार का बड़ा अवसर दिया है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल ने समूह-2, तृतीय श्रेणी (स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर), उपसमूह-02 के अंतर्गत विभिन्न विभागों के 1,703 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। मंडल द्वारा इन पदों के लिए पहली बार लिखित भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी। ऑनलाइन आवेदन 5 नवम्बर से शुरू हो गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 27 नवम्बर 2026, शाम 5 बजे तक है।



आवेदन में त्रुटि सुधार 28 से 30 नवम्बर तक शाम 5 बजे तक किया जा सकेगा। लिखित परीक्षा 10 जनवरी 2027 को सुबह 10 से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित होगी। प्रवेश पत्र 4 जनवरी 2027 से मंडल की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। परीक्षा पांच संभागीय मुख्यालयों में होगी।

छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों, जो परीक्षा में उपस्थित होंगे, को परीक्षा शुल्क नियमानुसार उसी बैंक खाते में वापस किया जाएगा, जिससे शुल्क का भुगतान किया गया है। विस्तृत जानकारी और आवेदन के लिए अभ्यर्थी मंडल की वेबसाइट http//cgssb.cgstate.gov.in पर जा सकते हैं।

सरकार द्वारा जारी भर्ती विज्ञापन मेंसहायक ग्रेड-3 के 1206 पद, सहायक उप निरीक्षक (जिला इकाई संवर्ग) के 279 पद, शीघ्रलेखक (हिंदी) के 30, उप निरीक्षक-अ (शीघ्रलेखक, सामान्य शाखा) के 34, स्टेनो टाइपिस्ट के 23, डाटा एंट्री ऑपरेटर के 25, शीघ्रलेखक (द्विभाषी) के 13, पंजीयक लिपिक के 50, सहायक उप निरीक्षक-अ (सामान्य शाखा) के 40 और शीघ्रलेखक (अंग्रेजी) के 3 पद शामिल हैं।

दीपावली पर 4670 परिवारों को पक्के घर की सौगात 27 जिलों के 84 नगरीय निकायों में नए आवास स्वीकृत

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत अब तक 76086 हितग्राहियों के आवासों को केंद्र की मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबके लिए आवास' के संकल्प और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता से प्रदेश के शहरी जरूरतमंद परिवारों के पक्के घर का सपना साकार होने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है। दीपावली के शुभ अवसर पर भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) घटक के अंतर्गत 4670 नए आवासों की स्वीकृति प्रदान की है। प्रदेश के 27 जिलों के 84 नगरीय निकायों में यह मंजूरी दीपावली की सौगात बनकर आई है।

इस नवीन स्वीकृति से पूर्व भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) घटक के अंतर्गत 55 हजार 953 हितग्राहियों तथा भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी) घटक के अंतर्गत 15 हजार 463 हितग्राहियों के आवास



स्वीकृत किए जा चुके थे। इस प्रकार दोनों घटकों में पहले ही कुल 71 हजार 416 आवासों को मंजूरी मिल चुकी थी।

अब 4670 नए आवासों की स्वीकृति के साथ बीएलसी घटक में स्वीकृत आवासों की संख्या बढ़कर 60 हजार 623 हो गई है। एएचपी घटक के 15 हजार 463 आवासों को मिलाकर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के इन दोनों घटकों के अंतर्गत अब तक कुल 76 हजार 086 हितग्राहियों के आवासों को भारत सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। संवेदनशीलता के साथ शहरी गरीब परिवारों के लिए इन आवासों की मंजूरी गरीब कल्याण को प्राथमिकता देने वाली डबल इंजन सरकार के संकल्प को रेखांकित करती है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से अपने पक्के घर की उम्मीद संजोए हजारों परिवारों के सपनों को नई मजबूती मिल रही है।

हर पात्र परिवार को पक्का आवास दिलाने प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवीन आवासों की स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबके लिए आवास' के संकल्प को छत्तीसगढ़ में तेजी से साकार किया जा रहा है। उन्होंने सभी नए लाभार्थी परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि 4670 नए आवासों की स्वीकृति से हजारों शहरी गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना पूरा होगा। सरकार हर पात्र परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने प्रतिबद्ध है। दीपावली पर मिली यह सौगात उन परिवारों के लिए विशेष महत्व रखती है, जो अपने घर के आंगन में खुशियों के दीप जलाने का सपना संजोए हुए हैं। आवास की स्वीकृति उनके लिए केवल मकान निर्माण का अवसर नहीं, बल्कि सुरक्षा और बेहतर भविष्य की दिशा में बढ़ता कदम है।

सभी को अपना घर मिले, यही हमारा लक्ष्य : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इसे महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सभी हितग्राही परिवारों को बधाई दी है। उन्होंने संबंधित सभी 84 नगरीय निकायों को हितग्राहियों के आवास निर्माण में हर संभव सहयोग प्रदान करने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के हर शहरी गरीब को अपना घर मिले, यही राज्य सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के जरूरतमंद परिवारों के अपने आशियाने की उम्मीद को आगे बढ़ा रहे हैं। दीपावली पर बड़ी संख्या में नए आवासों की स्वीकृति इसी प्रतिबद्धता का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है—ताकि आने वाले समय में इन परिवारों के अपने पक्के घरों में भी खुशियों के दीप जगमगाएं।

पटना में 3 शूटर ढेर, 20 मिनट चली मुठभेड, एसएचओ जख्मी



पटना। पटना में शुक्रवार को पुलिस ने 3 अपराधियों का एनकाउंटर कर दिया। पटना स्स्क कार्तिकेय शर्मा ने बताया, सुबह करीब 4.30 बजे हुई मुठभेड़ में अपराधियों ने पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग की। करीब 20 मिनट तक दोनों ओर से गोलीबारी हुई। जवाब में पुलिस की ओर से 18 राउंड गोलियां चलाई गई। जवाबी फायरिंग में राजा शर्मा, बबलू कुमार, जेपी यादव घायल हो गए। अस्पताल पहुंचने से पहले तीनों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, तीनों पेशेवर शूटर थे और सुपारी लेकर मर्डर करते थे। मुठभेड़ में मनेर थाना के एसएचओ रजनीश कुमार भी जख्मी हुए हैं। उनके हाथ में गोली लगी है। घटना मनेर थाना क्षेत्र के शेरपुर गंगा घाट के पास की है। मौके से एक देशी पिस्टल, दो देशी कट्टा बरामद हुआ है। इधर मारे गए आरोपियों के परिजन अस्पताल में हंगामा करने पहुंचे और पुलिस के साथ हाथापाई की। परिजन एनकाउंटर को गलत बता रहे हैं। माहौल तनावपूर्ण बन गया।

जहां सांस लेना भी चुनौती, अब वहां पहुंचेगी ट्रेन लद्दाख में बनेगा दुनिया का सबसे ऊंचा स्टेशन



नईदिल्ली। लद्दाख तक रेलगाड़ी पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना पर तेजी से काम चल रहा है। यदि सब कुछ ठीक रहा और इसकी डीपीआर को अंतिम रूप मिल गया तो भारत दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे स्टेशन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लेगा। प्रस्तावित बिलासपुर-मनाली-लेह रेललाइन पर तंगलांग ला दर्रे के पास टेंगला में समुद्र तल से 17,582 फीट की ऊंचाई पर एक रेलवे स्टेशन बनाने की योजना है। इसके निर्माण के बाद यह चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और चिंगहाई प्रांत की सीमा पर चिंगहाई-तिब्बत रेलवे लाइन पर 16,627 फीट की ऊंचाई स्थित तांगगुला रेलवे स्टेशन को पीछे छोड़ देगा।

परियोजना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा चुकी है। फिलहाल, निर्माण शुरू करने के लिए औपचारिक मंजूरी बाकी है। इसके लिए नीति आयोग और वित्त मंत्रालय सहित विभिन्न संबंधित संस्थाओं से परामर्श और आवश्यक स्वीकृतियां ली जानी हैं।

प्रस्तावित परियोजना की लागत करीब 1.31 लाख करोड़ रुपये है। यह रेललाइन हिमालय के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र से गुजरते हुए 489 किलोमीटर लंबा रेल संपर्क स्थापित करेगी। प्रस्तावित 489 किलोमीटर के ट्रैक में से करीब 270 किमी हिस्सा सुरंगों से से गुजरेगा यानी रेलमार्ग का आधे से अधिक हिस्सा पहाड़ों को चीरकर बनाया जाएगा। पूरी परियोजना में 62 सुरंगों और 116 पुलों के निर्माण का प्रस्ताव है। इन जगहों से गुजरेगा ट्रैक, भूमिगत रेलवे स्टेशन भी होगा।



भिलाई इंडस्ट्रीयल एरिया के जगदंबा इंडस्ट्रीज में लगी भीषण आग, 5 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

■ हादसे का कारण स्पष्ट नहीं लाखों के नुकसान की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। औद्योगिक क्षेत्र स्थित जगदंबा इंडस्ट्रीज में शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

जगदंबा इंडस्ट्रीज में फोम के गद्दे बनाने का काम किया जाता है। आग की गंभीरता को देखते हुए एक के बाद एक 5 दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने आग को



फैलने से रोकने के साथ उसे बुझाने का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारियों ने मिलकर हालात संभाले। फैक्ट्री में लाखों के नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, आग कितने हिस्से में फैली और कितना सामान जला है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

182.98 करोड़ के मैनपावर घोटाले में अरुणपति त्रिपाठी को जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित मैनपावर सप्लाई घोटाले में आरोपी पूर्व आबकारी रूष्ठ अरुणपति त्रिपाठी को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। वे पिछले 95 दिनों से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद थे। इस मामले में साल 2019-20 से 2023-24 के बीच मैनपावर एजेंसियों को ओवरटाइम, बोनस, चार अतिरिक्त कार्य दिवस और सर्विस चार्ज के नाम पर 182.98 करोड़ रुपए के अतिरिक्त भुगतान में गड़बड़ी का आरोप है। हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिका स्वीकार कर ली है। यह मामला छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के तहत सरकारी शराब दुकानों में कर्मचारियों की मैनपावर सप्लाई और उनके ओवरटाइम भुगतान में कथित गड़बड़ी से जुड़ा है। जांच एजेंसियों का आरोप है कि अतिरिक्त कार्य दिवसों के नाम पर फर्जी और बढ़े हुए बिल तैयार किए।

रेल मंत्रालय 'पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित

■ देश के 12495 रेलवे इमारतों पर लगाए गए रूफटॉप सोलर सिस्टम

नईदिल्ली। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, सीपी राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 में रेल मंत्रालय को प्रतिष्ठित 'पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया।

'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के तहत, केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों द्वारा सर्वाधिक इमारतों को सौर ऊर्जा से लैस करने की श्रेणी में रेल मंत्रालय ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह सार्वजनिक संस्थानों में अक्षय ऊर्जा को



अपनाने के लिए एक प्रेरणादायक राष्ट्रीय मानक स्थापित करता है।

रेल मंत्रालय ने देश भर में रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने के लिए 15,868 उपयुक्त रेलवे इमारतों की पहचान की है। अब तक, कुल पहचानी गई इमारतों में से 79त्न यानी 12,495 इमारतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। मंत्रालय ने 424 मेगावाट के अपने लक्ष्य के मुकाबले 351 मेगावाट की रूफटॉप सोलर क्षमता स्थापित कर ली है।

राष्ट्रीय स्तर पर, 77 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के अंतर्गत पहचानी गई 39,135 इमारतों में से 25,984 इमारतों को अब तक सौर ऊर्जा से लैस किया जा चुका है, जो कुल पहचानी गई इमारतों का 66त्न है। इस राष्ट्रीय उपलब्धि में रेल मंत्रालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। रेल मंत्रालय ने मार्च 2027 तक बाकी बची सभी उपयुक्त इमारतों पर सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य बनाया है।

संपादकीय

गिरफ्तारी में पारदर्शिता

कोर्ट ने दिया संवैधानिक आजादी को संबल

किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने और उसकी गिरफ्तारी को दर्शाने के समय को लेकर पुलिसिया कार्रवाई के बारे में अक्सर सवाल उठते रहे हैं। दरअसल, यह व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार होने के बावजूद, इसकी अनदेखी की जाती रही है। यही वजह है कि अब इस मामले मे देश की शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। शीर्ष अदालत का फैसला कहता है कि किसी भी हिरासत में लिए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की समय-सीमा, गिरफ्तारी के औपचारिक रिकॉर्ड से नहीं, बल्कि हिरासत में लिए जाने वाले पल से ही शुरू हो जाती है। सही मायने में, यह निर्णय आम भारतीय की संवैधानिक स्वतंत्रता की समयोचित पुष्टि ही है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह फैसला एक स्पष्ट संदेश देता है कि पुलिस मौलिक अधिकारों से बचने के लिये प्रक्रियाओं में हेरफेर नहीं कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 22(2) के उद्देश्य से हिरासत और गिरफ्तारी के बीच किए गए बनावटी अंतर को खारिज करते हुए, सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एक गंभीर खामी को दूर किया है। इस खामी का लाभ उठाकर ही जांच व प्रवर्तन एजेंसियां लोगों को बिना किसी त्वरित न्यायिक निगरानी के हिरासत में रख सकती थीं। दरअसल, नशीले पदार्थों से जुड़े एक मामले में हिरासत में लिए गए चार लोगों से जुड़े इस प्रकरण ने, हिरासत में लेने और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच 18 घंटे के अंतराल की विसंगति को उजागर किया है। जिसका कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया गया था। वास्तव में गिरफ्तारी दिखाने में की गई यह देरी पुलिस को मनमाने ढंग से ताकत के इस्तेमाल और हिरासत में दुर्व्यवहार का मौका देती है। इसमें दो राय नहीं कि अक्सर आरोप लगते हैं कि गिरफ्तार व्यक्ति से मारपीट की गई और लंबी पूछताछ की गई। निस्संदेह, यह स्थिति भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली की छवि पर एक सवालिया निशान लगाती है।

> “ निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की दो बच्चों के नियम पर यह टिप्पणी दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश के लिये एक उपयुक्त समय पर आई है। देश की मौजूदा बदलती जनसांख्यिकीय तस्वीर दर्शाती है कि अब वे कानून पुराने व प्रतिकूल हो चुके हैं, जो जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिये जनप्रतिनिधियों को स्थानीय चुनाव में हिस्सा लेने से रोकते थे। उल्लेखनीय है कि जब कोर्ट ने 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य'(2003) के मामले में दो बच्चों के नियम की वैधता को मान्यता दी थी, उस समय भारत की प्रजनन दर लगभग तीन थी।

हमारा संविधान किसी भी व्यक्ति को न्यायिक जांच के बगैर हिरासत में रखे जाने के खिलाफ सुरक्षा की गारंटी तो देता है, लेकिन यह सुरक्षा जांच अधिकारियों के रहमो-करम के भरोसे नहीं रह सकती है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को दो टूक शब्दों में कहना पड़ा कि किसी को हिरासत में लिये जाने की 24 घंटे की समय सीमा में केवल मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में लगने वाले उचित समय को ही घटाया जा सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि मजिस्ट्रेटों को भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे हिरासत में लिए जाने के वास्तविक समय को ही दर्ज करें। साथ ही यह भी कि वे स्वतंत्र रूप से इस बात की जांच करें कि क्या किसी व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया में संवैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन वास्तविक रूप से किया गया है। इसके साथ ही जरूरी है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण भी स्वतंत्रता के गैर-कानूनी हनन के खिलाफ एक कानूनी प्रभावी उपाय बना ही रहना चाहिए। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में भी न्याय व्यवस्था के लिये एक मार्गदर्शक का कार्य करेगा। जहां अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद के लगभग चार वर्षों में प्रिवेंटिव डिटेंशन को चुनौती देने वाली दो हजार से अधिक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं दायर की गई थीं। इस बात में दो राय नहीं हो सकती हैं कि जब कानूनी प्रावधान के क्रियान्वयन में देरी होती है, अथवा जवाबदेही पर्याप्त नहीं होती है, तो संवैधानिक स्वतंत्रता प्रभावहीन होकर रह जाती है। निस्संदेह, किसी भी तरह के अपराध के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ी जानी चाहिए, ताकि समाज में कानून का राज्य स्थापित हो सके। लेकिन इसका अर्थ मौलिक अधिकारों को कमजोर करना कदापि नहीं होना चाहिए। बहरहाल, अदालत के निर्देश का सार यह भी है कि पुलिस को कानून के दायरे में रहकर ही कोई भी जांच करनी चाहिए। साथ ही इस मामले में अदालतों को भी सतर्क रहना चाहिए। यह सर्वमान्य सत्य है कि स्वतंत्रता महज प्रक्रियात्मक औपचारिकता भर नहीं है। सही मायने में यह किसी भी लोकतंत्र की बुनियाद है।

इस धनतेरस स्वास्थ्य में निवेश परिवार की सबसे बड़ी समृद्धि



प्रतापराव जाधव

शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यं धनसंपदा।

संस्कृत की प्रार्थना के ये परिचित शब्द हमारी परंपराओं में स्वास्थ्य, कल्याण और समृद्धि के गहरे संबंध को बड़ी सुंदरता से व्यक्त करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि सच्ची समृद्धि केवल भौतिक संपत्ति से नहीं, बल्कि हमारे अपनों के स्वास्थ्य और खुशहाली से भी मापी जाती है। हर वर्ष धनतेरस के आते ही हमारे घरों में दीपावली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। घरों की साफ-सफाई और सजावट होती है, बाजारों में उत्सव का उल्लास दिखाई देता है और लोग समृद्धि के प्रतीक के रूप में नई वस्तुएं खरीदते हैं। इन उत्सवों के बीच मेरे मन में अक्सर एक सरल-सा प्रश्न उठता है कि जब हम अपने परिवार के समृद्ध भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए इतनी तैयारियां करते हैं, तो उनके स्वास्थ्य की रक्षा पर कितना ध्यान देते हैं?

हम भविष्य के लिए बचत करते हैं, अपनी संपत्ति का बीमा कराते हैं और आर्थिक निवेश की योजनाएं बनाते हैं। लेकिन जिन आदतों पर हमारे आने वाले वर्षों का स्वास्थ्य निर्भर करता है, उन पर अक्सर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। समय पर भोजन न करना हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाता है, पर्याप्त नींद न लेना व्यस्त जीवन की पहचान समझी जाने लगती है और स्वास्थ्य जांच तब तक टाल दी जाती है, जब तक कोई परेशानी गंभीर रूप नहीं ले लेती। धनतेरस हमें अपनी इन प्राथमिकताओं पर फिर से विचार करने का अवसर देता है।

धनतेरस का आयुर्वेद के साथ विशेष संबंध है। यह पर्व भगवान धन्वंतरि के प्राकट्य से जुड़ा है, जिन्हें देवताओं के वैद्य और आयुर्वेद के आदि प्रवर्तक के रूप में पूजा जाता है। समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश लेकर उनका प्रकट होना स्वास्थ्य और दीर्घायु की मानवता की चिरकालिक



आकांक्षा का प्रतीक है। यही संबंध धनतेरस को सोने, चांदी या घरेलू वस्तुओं की खरीदारी से कहीं अधिक व्यापक अर्थ प्रदान करता है। यह हमें याद दिलाता है कि समृद्धि का वास्तविक आनंद तभी है, जब हमारे पास उसे अनुभव करने और अपने प्रियजनों के साथ साझा करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य हो।

आयुष तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, दोनों मंत्रालयों की जिम्मेदारी निभाते हुए मैं अपने दैनिक जीवन में इस संदेश के महत्व को भली-भांति समझता हूं। स्वास्थ्य को लेकर हमारी बातचीत अक्सर तब शुरू होती है, जब बीमारी हमारे जीवन में दस्तक दे चुकी होती है। हम अस्पतालों, दवाओं और उपचार की चर्चा करते हैं, जो निस्संदेह आवश्यक हैं। लेकिन एक उतनी ही महत्वपूर्ण बातचीत इससे बहुत पहले शुरू होनी चाहिए, हमारे घरों, रसोईघरों, कार्यस्थलों और रोजमर्रा की दिनचर्या में।

क्या हम उपचार को जितना महत्व देते हैं, उतना ही महत्व बीमारियों की रोकथाम को भी दे सकते हैं? यही प्रश्न आयुर्वेद की स्वास्थ्य संबंधी सोच के मूल में है। आयुर्वेद का सिद्धांत 'स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्', अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना, आज की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी अत्यंत प्रासंगिक है। यह हमें बताता है कि हमारा स्वास्थ्य इस बात से प्रभावित होता है कि हम क्या खाते हैं, कितनी नींद लेते हैं, कितने शारीरिक रूप से सक्रिय रहते हैं और अपनी देखभाल कितनी नियमितता से करते हैं। आज जब गैर-संचारी रोग, निष्क्रिय जीवनशैली और तनाव स्वास्थ्य संबंधी बड़ी चुनौतियों के रूप में सामने आ रहे हैं, तब निवारक स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक ध्यान देना आवश्यक हो गया है।

उदाहरण के लिए, परिवार के साथ किया जाने वाला एक साधारण भोजन भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर हो सकता है। इसके माध्यम से हम बच्चों में पौष्टिक भोजन की आदत विकसित कर सकते हैं और परिवार के बुजुर्गों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रख सकते हैं।

इसी प्रकार प्रतिदिन टहलना, नियमित योगाभ्यास करना या सोने और जागने का समय निश्चित रखना भले ही छोटे प्रयास लगें, लेकिन लंबे समय तक इनका पालन करने से स्वास्थ्य में सार्थक बदलाव आ सकता है। निवारक स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक शक्ति अक्सर ऐसे ही सरल और रोजमर्रा के निर्णयों में निहित होती है।

भारत की आयुष चिकित्सा पद्धतियां स्वास्थ्य संरक्षण और समग्र कल्याण की इस संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) जैसी पहलों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, वैज्ञानिक अनुसंधान, गुणवत्ता मानकों और प्रमाण-आधारित चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देना भी आवश्यक है, ताकि भारत का पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान वर्तमान स्वास्थ्य सेवाओं में जिम्मेदारी और प्रभावी ढंग से योगदान दे सके।

हालांकि, परिवारों और समुदायों की सक्रिय भागीदारी के बिना कोई भी स्वास्थ्य पहल पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। एक स्वस्थ भारत का निर्माण केवल संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नहीं किया जा सकता। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी रोजमर्रा की आदतों और निर्णयों में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। जब भारत वर्ष 2047 में अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब विकसित भारत की हमारी परिकल्पना में ऐसे नागरिक भी होने चाहिए, जो अधिक स्वस्थ, जागरूक और रोकी जा सकने वाली बीमारियों से स्वयं को सुरक्षित रखने में सक्षम हों। यहीं धनतेरस की भावना हमें एक सार्थक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकती है। हम इस पर्व को अपने घर में कुछ नया लाने से जोड़कर देखते हैं। तो क्यों न इस वर्ष हम अपने घर एक नई अच्छी आदत भी लेकर आएं? यह आदत सोच-समझकर पौष्टिक भोजन करने की हो सकती है, नियमित योगाभ्यास की हो सकती है, पर्याप्त नींद लेने की हो सकती है या परिवार के किसी सदस्य को लंबे समय से टल रही स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित करने की हो सकती है।

इस शुभ अवसर पर मैं प्रत्येक नागरिक से अपील करता हूं कि वह निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का व्यक्तिगत संकल्प ले। आइए, हम अपनी दिनचर्या में कम से कम एक सकारात्मक बदलाव की शुरुआत करें और परिवार के किसी एक अन्य सदस्य को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। अपने बुजुर्गों और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें, आवश्यकता पड़ने पर समय से चिकित्सकीय सलाह लें और स्वस्थ जीवनशैली को पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी बनाएं।

इस धनतेरस जब हम अपने घरों में दीपक जलाएं, तो उसकी रोशनी हमें अपने और अपने प्रियजनों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी स्मरण कराए। हम जो आभूषण खरीदते हैं, वे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को विरासत में मिल सकते हैं, लेकिन जो अच्छी स्वास्थ्य संबंधी आदतें हम अपने परिवार में विकसित करते हैं, वे भी आने वाली पीढ़ियों के लिए उतनी ही मूल्यवान विरासत बन सकती हैं। इस धनतेरस आइए, हम अपने घर केवल समृद्धि के प्रतीक ही नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की नई आदतें भी लेकर आएं। अपने प्रियजनों की देखभाल करें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और निवारक स्वास्थ्य को अपने परिवार के उज्ज्वल भविष्य की नींव बनाएं।

(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं।)

बच्चों की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

डॉ. अर्चना शर्मा

बाल सुरक्षा का अर्थ केवल किसी घटना के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि ऐसे वातावरण का निर्माण करना है, जहां जोखिमों को पहले पहचाना जाए, बच्चों की बात सुनी जाए और उन्हें सहायता मांगने का भरोसा मिले। आज बच्चों की सुरक्षा का प्रश्न घर की चारदीवारी से लेकर स्कूल, सड़क, सार्वजनिक स्थान और डिजिटल दुनिया तक फैला हुआ है। आज बाल सुरक्षा का अर्थ केवल बच्चों को शारीरिक शोषण से बचाना नहीं, बल्कि उन्हें भावनात्मक, सामाजिक और डिजिटल दुनिया में भी सुरक्षित वातावरण देना है।

भारत में बच्चों की सुरक्षा के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। शारीरिक और यौन शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, मानव तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर बुलिंग, असुरक्षित परिवहन तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं बच्चों के अधिकारों और विकास को प्रभावित करती हैं। भारत में बच्चों की सुरक्षा के लिए कई



कानूनी और संस्थागत व्यवस्थाएं मौजूद हैं। बाल यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम यानी पॉक्सो, 2012 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों को रोकने और उनसे जुड़े मामलों में कार्रवाई का कानूनी आधार प्रदान करता है। किशोर न्याय, बालकों की देखरेख और संरक्षण, अधिनियम, 2015 कानून से संघर्षरत बच्चों और देखरेख की जरूरत वाले बच्चों के संरक्षण, पुनर्वास तथा पुन:समाजीकरण की व्यवस्था करता है। वहीं, मिशन वात्सल्य बच्चों की देखभाल और संरक्षण से जुड़ी सेवाओं को मजबूत करने का प्रयास है। इसके अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, 24 घंटे संकट में फंसे बच्चों तक सहायता पहुंचाने के लिए संचालित है और आपातकालीन सेवा 112 से एकीकृत है। सरकार ने 2025 में मिशन वात्सल्य पोर्टल को भी उन्नत किया, ताकि बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बेहतर हो सके।

लेकिन कानून और योजनाएं तभी प्रभावी होती हैं, जब वे जमीन पर बच्चों तक पहुंचें। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2022 के आंकड़ों के अनुसार, देश में बच्चों के विरुद्ध अपराध के 1,62,449 मामले दर्ज हुए। यह संख्या केवल कानूनी चुनौती नहीं, बल्कि सुरक्षा, जागरूकता और समय पर सहायता की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। बच्चों के साथ होने वाले अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ उन परिस्थितियों को समझना भी जरूरी है, जिनमें बच्चे स्वयं हिंसक व्यवहार की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं।

हाल के वर्षों में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर कम उम्र के बच्चों के बीच मारपीट, धमकी, समूह में किसी बच्चे को निशाना बनाना और आक्रामक व्यवहार की खबरें चिंता पैदा करती हैं। हालांकि, ऐसी घटनाओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं कि 13 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों में हिंसा बढ़ रही है। इसके लिए आयु-विशिष्ट और तुलनात्मक राष्ट्रीय आंकड़ों की जरूरत है। फिर भी, किसी बच्चे का बार-बार हिंसक होना एक चेतावनी है, जिसे केवल अनुशासनहीनता कहकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। उसके पीछे उपेक्षा, घरेलू तनाव, बुलिंग, भावनात्मक कठिनाई, एकल परिवार, हिंसक सामग्री का संपर्क या साथियों का दबाव जैसे अनेक कारण हो सकते हैं।

मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग की भूमिका पर भी संतुलित दृष्टि आवश्यक है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, एकल परिवारों में माता-पिता बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं। अक्सर बच्चे टीवी और मोबाइल पर अपना समय व्यतीत करते हैं। परंतु ये दोनों ही गतिविधियां कई बार माता-पिता की निगरानी के बिना होती हैं। टीवी और डिजिटल मीडिया बच्चों को कुछ नया सीखने, रचनात्मकता और मनोरंजन के अवसर देते हैं, लेकिन बिना निगरानी के हिंसक सामग्री, अपमानजनक भाषा और आक्रामक व्यवहार के लगातार संपर्क में रहना चिंता का विषय हो सकता है। यदि कोई बच्चा गेम में बार-बार हिंसा को समस्या सुलझाने का तरीका देखता है और फिर वास्तविक जीवन में किसी विवाद के दौरान उसी तरह प्रतिक्रिया करता है, तो अभिभावकों और शिक्षकों को उसके व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन केवल गेम पर प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। बच्चे को यह समझाना भी जरूरी है कि डिजिटल दुनिया में दिखाई देने वाली हिंसा वास्तविक जीवन में स्वीकार्य नहीं है। उम्र के अनुरूप सामग्री, स्क्रीन टाइम की सीमाएं, ऑनलाइन मित्रों और चैट की निगरानी तथा खुले संवाद से जोखिम कम किया जा सकता है।

इस जिम्मेदारी का पहला केंद्र परिवार है। माता-पिता बच्चों के लिए केवल नियम बनाने वाले नहीं, बल्कि उनके व्यवहार के सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण भी हैं। घर में गाली-गलौज, अपमान, मारपीट या हर समस्या का समाधान गुस्से से करने का तरीका बच्चों पर असर डाल सकता है।

लेखिका चंडीगढ़ वि.वि. में सहायक प्रोफेसर हैं।

मौजूदा लोकतंत्र में प्रासंगिक पंचतंत्र की शिक्षाएं

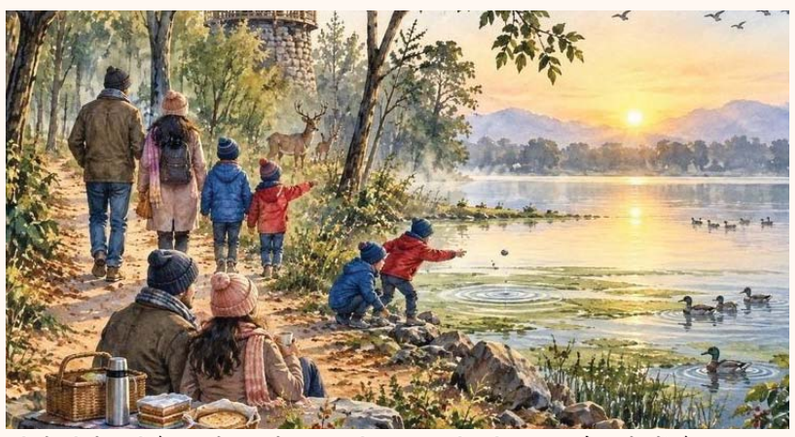
कृष्ण कुमार

प्राचीन ग्रंथों की शिक्षाप्रद कथाएं हमें जीवन जीने और खुद के भीतर सतत सुधार करते रहने की राह दिखाती हैं। मसलन, पंचतंत्र की कथाओं की राजनीतिक, सामाजिक और नैतिक शिक्षाएं मौजूदा भारतीय लोकतंत्र और शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों के बारे में प्रांसगिक हैं।

लुटियंस दिल्ली में हुए हालिया घटनाक्रम को याद करते हुए, शिक्षा-शास्त्र के प्राचीन ग्रंथ, पंचतंत्र की ओर ध्यान जाता है। यह हमें इन दिनों दुर्लभ सुकून और समझ प्रदान करता है। पंचतंत्र में पांच चक्र हैं, जो एक रहस्यमयी परतों में गुंथे हैं। इसकी लोकप्रियता कई पाठकों को इसे जानवरों की काल्पनिक कथाओं का संग्रह समझने पर मजबूर करती है, जिसमें जीवन जीने के ढंग सिखाने वाले मूल्य हैं। यह बात कुछ कहानियों के लिए सच हो सकती है, सबके लिए नहीं। इसीलिए कुछ चुनींदा कहानियां बच्चों के लिए बनी मानी जाती हैं।

पंचतंत्र की ज़्यादातर कहानियों में एक गहरा राजनीतिक और प्रशासनिक संदेश है जिसकी व्याख्या करना एक चुनौती है। इनका ताना-बाना भी कम महत्वपूर्ण नहीं। इसमें प्रतीकात्मक अर्थों की अनेक परतें हैं, और यही चीज़ कहानियों में है। वे हमें उन अलग-अलग पहलुओं को समझने में मदद करती हैं जिनसे आम लोग राज्य-व्यवस्था से जुड़े महसूस करें। नागरिक अथवा मानवाधिकारों का विचार आने से कहीं पहले लिखे गए 'पंचतंत्र' की बनावट, कहानियां और पात्र हमारी वर्तमान मुश्किलों से बहुत मिलते-जुलते हैं। अधिकार आधुनिक दुनिया में नागरिकता का एक आवश्यक अंग हैं, लेकिन वे अकेले ऐसी धुरी नहीं हैं जिससे नागरिक का राज्य-व्यवस्था से जुड़ाव हो। असल में, दार्शनिक नज़रिए से, राज्य लोगों से ही मिलकर बनता है, और उन्हीं की तरफ से राज्य-व्यवस्था के अधिक प्रत्यक्ष पदाधिकारी देश का कामकाज संभालते हैं।

हालांकि, जो वोट हमें कभी-कभार डालना होता है, वह अक्सर हमें राज्य-व्यवस्था और उसके तंत्र के साथ अपने रोज़मर्रा के रिश्ते को भूल जाने पर मजबूर कर देता है। पंचतंत्र हमें उन अनेक तरीकों की याद दिलाता है जिनके माध्यम से समाज के आम लोग उस नीति का पालन करते हैं, जिस पर राज्य-व्यवस्था को आधारित माना जाता है। नीतिशास्त्र की पुस्तक के रूप में पंचतंत्र के पास आज हमें देने के लिए उससे कहीं ज़्यादा है जितना हम जानते हैं। हालांकि इसकी हर कहानी उस समस्या को हल करके खत्म होती है जिसको आधार बनाकर उसकी शुरुआत होती है, लेकिन कहानी के आखिर में हमेशा बहस का परिदृश्य बनता है, जो कथानक के परिणाम को रेखांकित करती है। इसके बाद एक और कहानी आती है। कथा के आखिर में जो बहस होती है, उससे अलग-अलग व्याख्या निकालने की गुंजाइश बढ़ जाती है, और इस तरह एक और कहानी की ज़रूरत महसूस होती है। दुनिया के मामलों पर विचार करने में, भाग-2 की कहानी के पात्र विशेष को पढ़कर बहुत खुशी मिलती है, जो एकदम अलग परिवेश वाले चार जीवों- एक कौआ, एक हिरण, एक चूहा और एक कछुआ-



की दोस्ती से जुड़ी है। हर दोपहर, वे एक प्राचीन पेड़ के नीचे इकट्ठा होते हैं और अपनी दुनिया यानि जंगल का जायज़ा लेते हैं।

यूनिवर्सिटी या कॉलेज के लिए इससे बेहतर आदर्श उदाहरण क्या हो सकता है? अफसोस, हमारे मौजूदा विश्वविद्यालयों ने वह आदर्श खो दिया है। उन्होंने एक अलग ही आदर्श अपना लिया है—यानी अपनी-अपनी सफलता के लिए मुकाबला करना और जो भी राज्य-व्यवस्था हो, उसके आगे झुक जाना। हज़ारों छात्र अपना लक्ष्य पाने में नाकाम रहते हैं। उनका लंबा, अकेला संघर्ष उनकी जवानी की ऊर्जा या दुनिया का जायजा लेने का जोश खत्म कर देता है, जैसा कि पंचतंत्र के चार दोस्त किया करते थे। पंचतंत्र का भाग-3 या तीसरा चक्र, स्थाई दुश्मनी की भावना के बारे में है। यह चक्र अलग-अलग किस्म की सलाहें और साज़िशों से पैदा हुए भयानक नतीजे दर्शाता है। दुश्मनी भयानक हिंसा के अध्याय में खत्म होती है, जो पाठक को मुश्किल दुविधा और बेचैनी का अहसास कराती है। इस अहसास की शुरुआत हमेशा एक-दूजे पर शक करते रहने की आदत से होती है, इसमें दुश्मन पक्षों ने पंचतंत्र के इस एक मूल सिद्धांत का पालन नहीं किया- हर समस्या को, यहां तक कि पुरानी समस्याओं को भी, संवाद या बहस की मदद से सुलझाना। कोई हैरानी नहीं कि तीसरे भाग के बाद आखिरी दो भाग आते हैं, 'लाभ का नुकसान' और 'बिना जांचे-परखे काम करना'। इन दोनों भागों का मर्म दुखद है, जो नीति पर अमल न करने के अंजाम से चेताता है।

चौथे भाग में, कहानी धोखे के परिणामों के बारे में है। यह एक लोकप्रिय कहानी है, जो एक बंदर और मगरमच्छ के बीच दोस्ती के इर्द-गिर्द बुनी गई है। उनके रिश्ते को मीठे फल वाले उस पेड़ ने बढ़ावा दिया, जिसपर एक बंदर रहता है और जिसके नीचे मगरमच्छ हर दिन अपने दोस्त से मिलने आता है। चंडीगढ़ की सुखना झील का बड़ा पेड़ मुझे हमेशा पंचतंत्र की इस कहानी की याद दिलाता है। संकट तब पैदा होता है जब मगरमच्छ बंदर को धोखा देता है। लगभग उसकी जान ही चली गई थी, लेकिन युक्ति लगाकर बच निकलता है। पर इसके बाद से पुरानी दोस्ती निभाने से साफ मना कर देता है। एक के बाद एक कहानियां यह समझाती हैं कि टूटे भरोसे को फिर से जोड़ना मुश्किल होता है। मगरमच्छ को कितना भी पछतावा क्यों न हो, उसका पुराना दोस्त अपने पुराने, टूटे रिश्ते को पुन:स्थापित करने की किसी भी संभावना को नकार देता है।

आज के माहौल में जब हम ये कहानियां पढ़ते हैं, तो हम लोकतंत्र के उस पेड़ के बारे में सोचने से खुद को नहीं रोक पाते जिसने लंबे समय तक परस्पर विरोधी दलों और उनकी सोच को पाला-पोसा, हर एक को कुछ समय के लिए हावी होने दिया, फिर कमान दूसरे को सौंप दी। लेकिन अगर अस्थाई कमान वाली व्यवस्था का यह प्रावधान भंग हो जाए, तो इसे ठीक करना बहुत मुश्किल सिद्ध हो सकता है। क्या हम ऐसी ही स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं? इसका अंदाज़ा लगाने का कोई तरीका नहीं, लेकिन विपक्षी-मुक्त भारत बनाने की धमकियों ने असहिष्णुता और स्थाई दबदबे की चाहत का माहौल बना डाला है। पंचतंत्र कोई पक्का हल नहीं बताता। इसके बजाय, यह ज़िंदगी और राजकाज करने का एक ऐसा नज़रिया बताता है जो परिस्थिति के हिसाब से काम करे। कई दूसरी पुरानी सलाहों के उलट, जो सख्त, उसूलों वाले व्यवहार के बारे में बताती हैं, पंचतंत्र हमसे हर नई स्थिति के हिसाब से प्रतिक्रिया देने के लिए कहता है। यह ऐसा नहीं है कि हम सहारे के बिना रह सकें। शिक्षाप्रद कथाओं में यह बात छिपी है कि नीति या सही रास्ता हमें लगातार खुद को सुधारने की गुंजाइश के साथ जीने का राह दिखाता है। इसमें पिछले कामों और दूसरों के अनुभव से सीखने पर जोर दिया है, न कि हर अनुभव का खुद इंतज़ार करने पर। दूसरों के अनुभवों से सीखने की गतिविधि के रूप में, सोचने और विचार की आज़ादी से सीखने को पोषण मिलता है। यहीं पर हम एक मुश्किल में पड़ गए हैं। इसमें युवाओं का भरोसा टूटना और अकेला पड़ना शामिल है। उनमें से जो ज़्यादा संवेदनशील हैं, वे या तो अवसाद में हैं या नाराज़ हैं। दोनों प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने की ज़रूरत है। जेनरेशन गैप कोई नई या बात नहीं, लेकिन ऐसा लगता है कि इस बार यह उम्मीद से कहीं ज़्यादा बड़ा और जटिल है।

लेखक एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

रेलवे स्टेशनों पर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट शिविर का आयोजन

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल द्वारा पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों की सुविधा के लिए मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (जीवन प्रमाण पत्र) शिविरों का आयोजन 02 नवंबर 2026 से शुरू कर दिया गया है यह अभियान 30 नवंबर 2026 तक सुबह 11:00 से लेकर दोपहर 3:00 तक किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत रायपुर रेलवे स्टेशन पर 30 नवंबर 2026, को दुर्ग रेलवे स्टेशन पर 6 एवं 7 नवंबर 2026 तक, बीएमवाई में 11 से 14 नवंबर एवं 25 से 26 नवंबर तक, भिलाई रेलवे स्टेशन में 16 से 18 नवंबर तक, भाटापारा तिल्दा-नेवरा रेलवे स्टेशन में 19 से 21 नवंबर एवं 27 से 28 नवंबर 2026 तक एवं दल्लीराजहरा रेलवे स्टेशन पर 23 और 24 नवंबर 2026 को डिजिटल लाइफ सर्टिफिक्रेट बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस कार्य हेतु कार्मिक विभाग द्वारा कल्याण निरीक्षको को नामित किया गया है।

चर्लपल्ली-बरौनी के बीच 2-2 फेरे के लिए चलेगी पूजा स्पेशल ट्रेन

भिलाई। दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु चर्लपल्ली-बरौनी-चर्लपल्ली के मध्य 02-02 फेरों के लिए दीपावली एवं छठ पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है । गाड़ी संख्या 07588 चर्लपल्ली-बरौनी पूजा स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से प्रत्येक रविवार दिनाँक 08 एवं 15 नवम्बर 2026 को चलेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07589 बरौनी-चर्लपल्ली पूजा स्पेशल ट्रेन बरौनी से प्रत्येक मंगलवार दिनाँक 10 एवं 17 नवम्बर 2026 को चलेगी। इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है। इस स्पेशल ट्रेन में 02 एसएलआर, 1 फर्स्ट एसी, 17 थर्ड एसी, 3 सेकेंड एसी सहित कुल 23 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

लोक कला महोत्सव के लिए 10 नवम्बर तक प्रविष्टियां आमंत्रित

दुर्ग। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव के आयोजन हेतु दुर्ग जिले के पारंपरिक आदिवासी लोक कला दलों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है। जिले से प्राप्त प्रविष्टियों में से जिला स्तर पर चयनित उत्कृष्ट दल को आगामी 13 नवम्बर 2026 को जिला रायगढ़ में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेना होगा, जिसमें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले दल को विभाग द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। एसीटी दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार इच्छुक दल 10 नम्वबर 2026 तक कार्यालय सहायक आयुक्त आसिवासी विकास दुर्ग में तत्काल अपने नर्तक दलों में सदस्यों की संख्या, साज-सज्जा, वाद्य यंत्र, गणवेश व थीम आदि की विस्तृत जानकारी के साथ आवेदन जमा कर सकते हैं।

दिवंगत विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के नाम पर होगा अहिवारा के सरकारी कॉलेज का नाम

■ **भिलाई तीन में आयोजित श्रद्धाजंलि सभा में पहुंचे सीएम साय ने की घोषणा**

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरूवार को भिलाई-3 स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय पहुंचकर दिवंगत विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा को पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के योगदान को याद करते हुए अहिवारा स्थित शासकीय महाविद्यालय का नामकरण उनके नाम पर किए जाने की घोषणा की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय श्री कोर्सेवाड़ा का निधन छत्तीसगढ़ के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके द्वारा समाज और प्रदेश के विकास के लिए किए गए कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। सीएम साय ने कहा कि स्व. कोर्सेवाड़ा को उनके वास्तविक नाम से अधिक लोग गुरुजी के नाम से ज्यादा जानते थे। उनका सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाता था। मुख्यमंत्री ने उनके साथ जुड़े आत्मीय प्रसंग को साझा करते हुए बताया कि जब विधायक कोर्सेवाड़ा हैदराबाद में उपचार के लिए भर्ती थे, तब उन्होंने स्वयं फोन कर उनका हाल-चाल जाना था तथा प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल को भी उनका हाल जानने के लिए हैदराबाद जाने के निर्देश दिए थे।

मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि अनुसूचित जाति के विकास, उत्थान और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा द्वारा किए गए कार्य ऐतिहासिक हैं। उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास श्री गुरु खुशवंत साहब, रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं जगदलपुर के विधायक श्री किरण देव ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उन्होंने स्वर्गीय कोर्सेवाडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाले। साथ ही अपनी भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की। श्रद्धांजली सभा में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण व अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश के दूर-दराज से पहुंचे जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में जनसमुदाय उपस्थित थे।

दुर्ग में कॉलेज-भवनों के निर्माण के लिए 71.72 करोड़ स्वीकृतः बनेंगे 9 कॉलेजों के भवन

■ **पाटन-रानीतराई में निर्माण पूरा, कुम्हारी-पेंड्रावन में काम जारी**

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। दुर्ग जिले में उच्च शिक्षा की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 9 कॉलेज भवनों के निर्माण को मंजूरी मिली है। इन कामों पर करीब 71.72 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने घर के आसपास ही उच्च शिक्षा की सुविधा मिल सकेगी। स्वीकृत 9 कार्यों में से 2 कॉलेज भवनों का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं कुछ जगहों पर निर्माण जारी है और बाकी कामों को शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इन भवनों में कक्षाओं के साथ प्रयोगशाला, पुस्तकालय और दूसरी जरूरी सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं।

स्वीकृत कार्यों में से कुम्हारी और पेण्ड्रावन में नवीन शासकीय महाविद्यालय भवनों का निर्माण प्रगति पर है, जिनमें से प्रत्येक की लागत लगभग 4.66 करोड़ है। वैशाली नगर स्थित इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में लगभग 3.87 करोड़ की लागत से स्मार्ट क्लास रूप, लाइब्रेरी और गर्ल्स कॉमन रूम का निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही शासकीय महाविद्यालय उतई में लगभग 1.12 करोड़ की लागत से प्रथम तल पर 8 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे वहां विद्यार्थियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी।

निर्माणधीन कार्यों के साथ-साथ, आगामी कार्यों की दिशा में भी तेजी से प्रगति हो रही है। नगपुरा में नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन का कार्य निविदा स्तर पर है, जिसकी स्वीकृत राशि लगभग 4.66 करोड़ रुपए है। वहीं दुर्ग में नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय तथा रिसाली में शासकीय महाविद्यालय के भवन हेतु जमीन आबंटन की कार्यवाही प्रगति पर है। इन प्रत्येक भवन की स्वीकृत राशि 4.66 करोड़ रुपए है।

दो महाविद्यालयों का काम पूरा, जल्द होगा शुरू

इस श्रृंखला की उपलब्धि के रूप में, स्वीकृत 9 महाविद्यालयों में से 2 महाविद्यालयों के भवन निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके है। इनमें पाटन स्थित शासकीय चन्दूलाल चन्द्राकर पी.जी. महाविद्यालय में लगभग 38.78 करोड़ की लागत से सेंटर फॉर एक्सीलेंस, ग्रंथालय, इंडोर स्टेडियम, स्टॉफक्वार्टर तथा अन्य निर्माण कार्य पूर्ण किये गये हैं। तीन मंजिला शैक्षणिक भवन में रसायन, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, जैव औद्योगिक और सूक्ष्म जीव विज्ञान की प्रयोगशालाएं एवं व्याख्यान कक्ष, कक्षाएं, सेमिनार रूम, कम्प्यूटर लैब, इनोवेशन रूम, संग्रहालय कक्ष, प्राध्यापक कक्ष, प्रसाधन और प्रवेश लॉबी की सुविधा उपलब्ध है। दूसरा पूर्ण कार्य रानीतराई, विकासखण्ड पाटन में नवीन शासकीय महाविद्यालय का भवन है, जो लगभग 4.66 करोड़ रूपए की लागत से बना है। भूतल और प्रथम तल के इस भवन में कक्षाएं, भौतिकी एवं रसायन की प्रयोगशालाएं, कम्प्यूटर लैब, प्रशासनिक कक्ष, प्रवेश कक्ष और मध्य में खुला आंगन है।

दिव्यांगों के लिए सभी भवनों में रैम्प का प्रावधान

सभी महाविद्यालय भवनों में दिव्यांगजनों की सुगमता के लिए सभी भवनों में रैम्प का प्रावधान है, ताकि दिव्यांग विद्यार्थी, शिक्षक और आगंतुक बिना किसी कठिनाई के परिसर में आ-जा सकें और सभी को समान अवसर तथा सम्मानजनक पहुंच मिले। साथ ही जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) की व्यवस्था भी की गई है, जिससे वर्षा के जल का सदुपयोग होगा, भूजल स्तर में सुधार आएगा और परिसरों में जल की उपलब्धता बनी रहेगी। इन निर्माण कार्यों से विद्यार्थियों को घर के पास ही उच्च शिक्षा मिलेगी।

अनूठी पहल

स्वदेशी व्यापारी मंच ने बाजार में बांटे 12 लाख के सिक्के

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। स्वदेशी व्यापारी मंच द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा के सहयोग से गुरूवार को भिलाई पावर हाउस के बाजारों में सिक्का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बाजार के व्यापारियों को लगभग 12 लाख रुपए की चिल्लर सिक्के बांटे गए।

कार्यक्रम में स्वदेशी व्यापारी मंच के प्रदेश संयोजक अजय भसीन एवं प्रदेश सहसंयोजक गार्गी शंकर मिश्र की उपस्थिति में व्यापारियों को चिल्लर वितरित की गई। त्योहारी सीजन में बाजारों में खरीदारी बढ़ने के साथ ही छोटे नोटों एवं सिक्कों की आवश्यकता भी बढ़ जाती है। ग्राहकों को शेष राशि लौटाने में व्यापारियों को होने वाली परेशानी को देखते हुए यह पहल की गई। इस वितरण से पावर हाउस बाजार के व्यापारियों को काफी राहत मिलेगी और व्यापारिक लेन-देन भी सुगम होगा।

इस मौके पर अजय भसीन ने कहा कि स्वदेशी व्यापारी मंच का उद्देश्य केवल व्यापार को बढ़ावा देना ही नहीं, बल्कि व्यापारियों की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान करना भी है। बाजार मजबूत होगा तो व्यापार मजबूत होगा और व्यापार मजबूत होगा तो देश की अर्थव्यवस्था भी सशक्त होगी। उन्होंने बैंक ऑफबड़ौदा का इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा कहा कि व्यापारी हित में इस प्रकार की पहल आगे भी जारी रहनी चाहिए।

कार्यक्रम के माध्यम से मंच ने एक बार फिर व्यापारियों के साथ खड़े रहने और स्थानीय बाजारों को सशक्त बनाने का संदेश दिया। इस वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से राम ओबेरॉय, विकास पांचाल, चित्रा राव, निरंकार सिंह सक्रिय रहे। अजय भसीन ने बैंक ऑफ बड़ौदा की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

भिलाई इस्पात संयंत्र के टीएंडडी विभाग के कर्मचारी कर्म शिरोमणि पुरस्कार से किए गए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। बीएसपी के टीएंडडी विभाग में आयोजित कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह में कार्यस्थल पर सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कर्म शिरोमणि पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हुए संसाधनों के बेहतर उपयोग, कार्यकुशलता एवं संगठनात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्मठ एवं सृजनशील कर्मचारियों को प्रोत्साहित और सम्मानित करना है। यह पुरस्कार कर्मचारियों में कार्य के प्रति समर्पण, जिम्मेदारी एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

समारोह में ब्लास्ट फर्नेस स्टेशन में कार्यरत घनश्याम प्रसाद, भुवाल राम गणवारे एवं शिव बिलास तथा ओपन हर्थ स्टेशन में कार्यरत सुरेश कुमार साहू को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं कार्य के प्रति समर्पण के लिए कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया। सम्मानित कर्मचारियों को उपहार एवं प्रमाण पत्र के साथ-साथ उनके जीवनसाथियों के लिए प्रशंसा पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी गोपीनाथ मलिक ने अपने संबोधन में विभाग के कार्यों से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों एवं सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

रायपुर रेल मंडल के अलग-अलग रेलवे स्टेशनों पर 'सतत खाद्य प्रणालियां अपनाएं' थीम पर चलाया गया जागरूकता अभियान

■ **भोजन की बर्बादी रोकने वेंडरों, रेलकर्मियों और यात्रियों को दी समझाइश**

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा आयोजित 'ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह' के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में 'मिशन लाइफ' के तहत विभिन्न जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

इसी कड़ी में आज 04 नवम्बर को 'सतत खाद्य प्रणालियाँ अपनाएँ' थीम पर रायपुर मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत खानपान स्टॉलों एवं कैटरिंग क्षेत्रों में पोस्टर लगाकर वेंडरों, रेलकर्मियों एवं यात्रियों को भोजन की बर्बादी रोकने तथा खाद्य संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

अभियान के दौरान ट्रेनों एवं प्लेटफॉर्म पर खानपान सामग्री बेचने वाले विक्रेताओं से संवाद कर उन्हें खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकने के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही यात्रियों से व्यक्तिगत संपर्क कर आवश्यकता के अनुसार ही भोजन लेने, भोजन व्यर्थ न करने तथा उपयोग के बाद कचरे को निर्धारित डस्टबिन में डालने की अपील की गई। इसके अतिरिक्त रेलवे स्टेशनों के फूड स्टॉल एवं कैटरिंग क्षेत्रों में खाद्य बर्बादी रोकने संबंधी पोस्टर एवं डिजिटल संदेश प्रदर्शित किए गए। स्टेशन की उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से भी यात्रियों को भोजन की बर्बादी रोकने एवं स्वच्छता बनाए रखने का संदेश प्रसारित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य खानपान की आदतों को प्रोत्साहित करना व रेलवे परिसरों को स्वच्छ करना है।

बीएसपी ने लगाए चार गांवों में स्वास्थ्य शिविर, 165 ग्रामीणों ने उठाया लाभ

■ **भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग की पहल, निःशुल्क दवाइयां भी बांटी**

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। बीएसपी के सीएसआर विभाग द्वारा दुर्ग जिले के ग्राम कुर्मीगुंडरा, ग्राम अछोटी, ग्राम अरसनारा एवं ग्राम जंजगीरी में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविरों का आयोजन किया गया। चारों गांवों में आयोजित इन स्वास्थ्य शिविरों में कुल 165 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया, जिनमें 52 पुरुष एवं 113 महिलाएं शामिल रहीं। शिविरों के दौरान ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देने के साथ आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

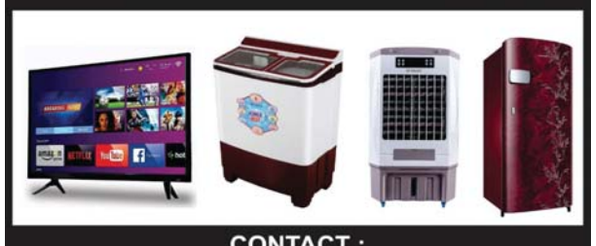
ग्राम कुर्मीगुंडरा में आयोजित शिविर में बीएसपी, सीएसआर की ओर से डॉ. सर्वेश प्रधान ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस दौरान फार्मासिस्ट मनीष कुमार एवं नर्सिंग स्टाफ रेणुका ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में पंजीयन कार्य के लिए विवेक ध्रुव एवं जिला चिकित्सालय की सीएचओ प्रियंका साहू का विशेष सहयोग रहा। इस शिविर में 25 पुरुष एवं 27 महिलाओं सहित कुल 52 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई तथा आवश्यकता के अनुसार निःशुल्क दवाइयां प्राप्त कीं।

ग्राम अछोटी, विकासखंड निकुम में आयोजित शिविर में बीएसपी, सीएसआर की ओर से डॉ. ज्योति सिन्हा ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। उनके साथ फार्मासिस्ट विविध बर्छिहा एवं नर्सिंग स्टाफ मोहम्मद सिराज ने स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग प्रदान किया। वहीं पंजीयन कार्य में राकेश कुमार तथा जिला चिकित्सालय की सीएचओ (एफ) निकिता प्रसाद का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस शिविर में 10 पुरुष एवं 18 महिलाओं सहित कुल 28 लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया और निःशुल्क दवाइयां प्राप्त कीं।

ग्राम अरसनारा, विकासखंड पाटन में आयोजित शिविर में बीएसपी, सीएसआर की ओर से डॉ. सविता बंछोर ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान फार्मासिस्ट विविध बर्छिहा एवं नर्सिंग स्टाफ मोहम्मद सिराज ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। वहीं पंजीयन कार्य में श्री राकेश कुमार एवं जिला चिकित्सालय की सीएचओ (एफ) वीना साहू का सहयोग रहा। इस शिविर में 13 पुरुष एवं 27 महिलाओं सहित कुल 40 लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया तथा निःशुल्क दवाइयां प्राप्त कीं।

इसी क्रम में ग्राम जंजगीरी, विकासखंड धमधा में भी निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बीएसपी, सीएसआर की ओर से डॉ. राजेंद्र साहू ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान फार्मासिस्ट विविध बर्छिहा एवं नर्सिंग स्टाफ मोहम्मद सिराज ने स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग प्रदान किया। वहीं पंजीयन कार्य में राकेश कुमार एवं जिला चिकित्सालय की सीएचओ (एफ) नेहा वर्मा का विशेष सहयोग रहा। इस शिविर में 04 पुरुष एवं 41 महिलाओं सहित कुल 45 लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया तथा निःशुल्क दवाइयां प्राप्त कीं।

ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन से लोगों को अपने गांव में ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। विशेष रूप से ऐसे ग्रामीणों के लिए ये शिविर उपयोगी साबित हो रहे हैं।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक, पेयजल योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

बेमेतरा। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा आज कलेक्ट्रेट में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत चल रही योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। समूह जलप्रदाय योजना और TPI देयकों के भुगतान पर चर्चा की गई। साथ ही 08 सितंबर के बाद मिले बजट आबंटन और भुगतानों का अनुमोदन,एकल ग्राम नलजल योजनाओं के मेंटेनेंस और नियमित संचालन पर जोर,नल जल मित्रों को गांव में लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि हर घर तक शुद्ध और नियमित पेयजल पहुंचाना प्राथमिकता है। किसी भी गांव में पानी की सप्लाई बाधित न हो, इसके लिए सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला चिकित्सा एवं मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े, जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल, जल संसाधन विभाग से हिमांशु सोनकर, विद्युत मंडल से गुलाब राम साहू, कृषि विभाग, वन विभाग, क्रेडा, महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यपालन अभियंता जे.पी. गोंड सहित पूरी टीम उपस्थित थे।

महतारी वंदन से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल

रायपुर। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता महिलाओं की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने के साथ ही उनमें आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा की भावना भी बढ़ा रही है। सरगुजा जिले की महिलाएं इस सहायता राशि का उपयोग अपनी घरेलू आवश्यकताओं, आजीविका गतिविधियों और परिवार की खुशियों के लिए कर रही हैं। ऐसी ही एक हितग्राही हैं अम्बिकापुर जनपद पंचायत कार्यालय में छोटी सी कैंटीन संचालित करने वाली श्रीमती रानी सिंह, जिनके लिए महतारी वंदन योजना आर्थिक संबल का माध्यम बनी है। रानी सिंह अम्बिकापुर जनपद पंचायत कार्यालय में कैंटीन संचालित कर अपनी आजीविका अर्जित करती हैं। कैंटीन के माध्यम से होने वाली आमदनी से वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। ऐसे में महतारी वंदन योजना के अंतर्गत हर महीने मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए अतिरिक्त सहारा साबित हो रही है। इस राशि से उन्हें अपनी व्यक्तिगत जरूरतों और त्योहारों से जुड़े छोटे-मोटे खर्चों को पूरा करने में मदद मिल रही है।

गन्ना किसानों को अब 425 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा खरीदी मूल्य, बोनस से भी बढ़ेगी आय

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने केरता शक्कर कारखाने में किसानों को वितरित की बोनस राशि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने गन्ने का खरीदी मूल्य बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। इसके साथ ही किसानों को बोनस का लाभ भी दिया जा रहा है। सूरजपुर जिले के माँ महामाया शक्कर कारखाना केरता में गुरुवार को आयोजित आभार एवं कृषक चौपाल कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किसानों को बोनस राशि वितरित की। गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के निर्णय पर किसानों ने राज्य सरकार के प्रति आभार जताया।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के मजबूत आधार हैं। उनके परिश्रम से ही देश की खाद्यान्न जरूरतें पूरी होती हैं। किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की प्रगति का आधार है।

मंत्री ने कहा कि सरगुजा अंचल के गन्ना उत्पादक किसानों की जरूरतों और मांग को देखते हुए माँ महामाया शक्कर कारखाने की स्थापना की पहल की गई थी। इसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के साथ क्षेत्र में कृषि आधारित औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देना था। अब कारखाने को और विकसित करने तथा वैल्यू एडिशन के माध्यम से इसकी आर्थिक संभावनाएं बढ़ाने की जरूरत है।

कृषि मंत्री ने किसानों से धान के साथ दलहन और तिलहन जैसी वैकल्पिक फसलों को भी अपनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि धान के स्थान पर इन वैकल्पिक फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए निर्धारित प्रावधानों के तहत किसानों को 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है।

नेताम ने आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर जोर देते हुए कहा कि वैज्ञानिक तकनीक और कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से कम पानी तथा संतुलित उर्वरक के उपयोग में भी बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने रासायनिक कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का उल्लेख करते हुए किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते ने गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के लिए राज्य सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि माँ महामाया शक्कर कारखाने की स्थापना से लेकर इसके विकास तक किसानों के हितों को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री के प्रयासों से गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। कलेक्टर रेना जमील ने कहा कि रिवॉल्विंग फंड की घोषणा से गन्ना उत्पादक किसानों में नया उत्साह है। आगामी कार्ययोजना के तहत कारखाने की रिकवरी दर बढ़ाने और गन्ने की खेती का रकबा विस्तार करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इससे कारखाने की उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ किसानों को भी अधिक आर्थिक लाभ मिल सकेगा।

कृषक चौपाल में किसानों ने अपनी समस्याएं, अनुभव और सुझाव साझा किए। कृषि मंत्री ने उनकी बातें सुनते हुए कृषि क्षेत्र के विकास और किसानों की सुविधाओं के विस्तार के लिए शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा, अपर कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर, एसडीएम रमेश मोर, कृषि अधिकारी सम्पदा पैकरा सहित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में गन्ना उत्पादक किसान मौजूद रहे।

मंडल की समीक्षा बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, 77 प्रतिशत संपत्तियों का विक्रय

अटल विहार, रिडेवलपमेंट और वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 सहित विभिन्न योजनाओं पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मुख्यालय में आज मंडल की योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने की। मंडल आयुक्त अवनीश कुमार शरण सहित मुख्यालय एवं विभिन्न प्रक्षेत्रों के अधिकारी उपस्थित रहे।



बैठक में अटल विहार योजना, सामान्य आवास योजना, प्रधानमंत्री सह मुख्यमंत्री आवास योजना, निक्षेप कार्य, रिडेवलपमेंट योजना और वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 की विस्तृत समीक्षा की गई। मंडल अध्यक्ष ने प्रत्येक परियोजना की योजनावार प्रगति, निर्माण कार्यों की स्थिति, पूर्ण एवं निर्माणाधीन इकाइयों, वित्तीय प्रगति, संपत्तियों के विक्रय और क्रियान्वयन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने लंबित कार्यों में तेजी लाने और परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि मंडल की कुल संपत्तियों में से अब तक लगभग 77 प्रतिशत का विक्रय हो चुका है। वर्तमान में मंडल की 888 करोड़ रुपये की बुकिंग लाइव है। शहरी क्षेत्रों में आवासीय परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग और पुनर्विकास के लिए 10 रिडेवलपमेंट योजनाओं पर काम किया जा रहा है। इनमें से 5 योजनाओं के टेंडर जारी हो चुके हैं और शेष 5 योजनाओं को मंत्रिपरिषद की स्वीकृति मिल चुकी है।

वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 के अंतर्गत अब तक लगभग 65 प्रतिशत बुकिंग हो चुकी है। दुर्ग एवं बिलासपुर प्रक्षेत्रों ने लगभग 80 प्रतिशत से अधिक बुकिंग का लक्ष्य हासिल किया है। मंडल अध्यक्ष ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रक्षेत्रों की सराहना की और अन्य प्रक्षेत्रों को बुकिंग में तेजी लाने के निर्देश दिए।

अनुराग सिंह देव ने कहा कि भविष्य में तैयार होने वाली सभी नई आवासीय योजनाओं में डिपार्टमेंटल स्टोर के लिए अनिवार्य रूप से स्थान रखा जाए, ताकि कॉलोनीवासियों को दैनिक उपयोग की वस्तुएं और जरूरी सुविधाएं परिसर में ही उपलब्ध हो सकें। उन्होंने प्रत्येक कॉलोनी में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आवासीय योजनाओं में बेहतर जीवनशैली, मूलभूत सुविधाओं और स्वच्छ एवं हरित वातावरण को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मंडल आयुक्त अवनीश कुमार शरण ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही या निर्धारित गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। आवश्यकता पड़ने पर ठेका निरस्त करने और ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई भी की जाए। उन्होंने निर्माणाधीन योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग कर कार्यों में तेजी लाने और उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में मंडल अध्यक्ष एवं आयुक्त ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने, संपत्तियों के विक्रय में तेजी लाने और नागरिकों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करने को कहा। इस अवसर पर उन्होंने मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं।

छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट 2026 की कार्यकारी समिति की प्रथम बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, 2026 के अंतर्गत गठित कार्यकारी समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग सहित राज्य शासन के विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित किए जा रहें सुधार प्रस्तावों, जोखिम-आधारित वर्गीकरण तथा ईओडीबी नियमों के चरणबद्ध क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की विस्तृत एवं गहन समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान प्रस्तुत कार्ययोजना के अनुसार उद्योगों एवं व्यवसायों को उनके संचालन के लिए भवनों के स्वरूप, ऊंचाई और निर्मित क्षेत्र के आधार पर कम जोखिम, स्व-प्रमाणीकरण और स्व-घोषणा के आधार पर तुरंत स्वीकृति व निरीक्षण से राहत, मध्यम जोखिम, थर्ड पार्टी सर्टिफिक्रेशन एवं अधिकृत विशेषज्ञों के प्रमाणीकरण के माध्यम से समयबद्ध मंजूरी के लिए नियमों के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उच्च जोखिम, निर्धारित सुरक्षा मानकों, अग्निशमन नियमों और जन-सुरक्षा के आधार पर विभागीय भौतिक निरीक्षण के पश्चात त्वरित स्वीकृति, विभागीय समीक्षा और सिंगल विंडो सिस्टम एकीकरण, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए गठित जिला सशक्त समिति, कार्यकारी परिषद और कार्यकारी समिति की प्रक्रियाओं को समयबद्ध सीमा के भीतर अधिसूचित कर दिया गया है।

बैठक में नगरीय प्रशासन, आबकारी, आवास एवं पर्यावरण, उद्योग, गृह-अग्निशमन, संस्कृति, जल संसाधन तथा लोक निर्माण विभाग के व्यावसायिक सेवाओं के जोखिम वर्गीकरण, लोक सेवा गारंटी समय-सीमा और सिंगल विंडो पोर्टल एकीकरण की स्थिति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी संबंधित विभाग ईओडीबी नियमों के प्रारूप पर अपने अंतिम सुझाव त्वरित रूप से प्रेषित करें, जिससे निवेशकों को अनावश्यक प्रक्रियाओं से मुक्ति मिले और प्रदेश में सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों को पारदर्शी, डिजिटल और सुगम वातावरण प्राप्त हो सके।

पचमढ़ी एडवेंचर कैम्प में जिले के 46 स्काउट गाइड, रोवर एवं रेंजर करेंगे सहभागिता

श्रीकंचनपथ समाचार

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के 46 स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर आगामी 12 से 16 नवंबर तक पचमढ़ी में आयोजित एडवेंचर कैम्प में भाग लेंगे। प्रतिभागियों के साथ दो गाइडर एवं दो स्काउटर भी शिविर में शामिल होंगे। शिविर में सहभागिता की तैयारी के लिए भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला मुख्य आयुक्त डॉ. नीरज वी. जैन ने सभी प्रतिभागियों को किट वितरित की। किट में ट्रैक सूट, बैग, कैप एवं पानी की बोतल प्रदान की गई। इस अवसर पर उन्होंने कलेक्टर विजय दयाराम के. की ओर से प्रतिभागियों को शिविर में सफल सहभागिता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।एडवेंचर कैम्प में भागीदारी से जिले के स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर को साहसिक गतिविधियों का अनुभव प्राप्त करने के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं समूह में कार्य करने के कौशल को विकसित करने का अवसर मिलेगा। शिविर का अनुभव उन्हें आत्मनिर्भर बनने तथा चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करेगा।



सरगुजा ओलंपिक एवं युवा उत्सव में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक एवं युवा उत्सव 2026 का आयोजन जिला मुख्यालय सूरजपुर अग्रसेन स्टेडियम में 04 वं 05 नवंबर को आयोजित किया गया।

आयोजन युवाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। सरगुजा ओलंपिक जुनियर वर्ग बालक/बालिकाओं ने 12 खेल विधाओं में और युवा उत्सव में 8 खेल विधाओ में बेहतर प्रदर्शन किया। युवा उत्सव में सामूहिक लोकनृत्य में रामदरबार करमा दल भैया भैयाथान प्रथम स्थान, बृजमोहन टीम सूरजपुर द्वितीय एवं पारंपरिक सुवा नृत्य सूरजपुर तृतीय स्थान, सामूहिक लोकगीत में हंश ध्वनि सूरजपुर प्रथम, महामाया मानस मांडली भैयाथान द्वितीय, रामदरबार मानस मांडली तृतीय स्थान पर रहे। कविता लेखन में अतुल चौबे प्रथम, रिया राजवाड़े द्वितीय, अनुष्का रजक तृतीय स्थान पर रहे, नुक्कड़ नाटक में बबीता एवं टीम प्रथम, सुष्टी गुप्ता एवं टीम द्वितीय, निर्जला एवं टीम तृतीय स्थान पर रहे, चित्रलेखन में मनीषा प्रथम , कौशिल्या द्वितीय, राजेन्द्र तृतीय स्थान पर रहे, पारंपरिक वेशभूषा में कुसुम राजवाड़े प्रथम, उगेश राजवाड़े द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सरगुजा ओलंपिक में व्यक्तिगत खेल विधा मे तीरंदाजी एथलेटिक्स 100मी 200 मी. 400 मी.. रिले 400 मी. लंबी कूद ऊंची कूद, शॉटपुट डिस्कस थ्रो, बैडमिंटन कराते, कुश्ती दलीय खेल विधा मे जैवलिन हॉकी. खो-खो, वालीबॉल, बास्केटबॉल, फुटवाल कब्बड़ी एवं हॉकी खेल विधाओं में जुनियर वर्ग बालक/बालिका विजेता खिलाड़ियो को अतिथियो द्वारा सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले वाले खिलाड़ी को 4000. द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 3000 एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 2000 नगद एवं मोमेंटो से पुरस्कृत किया गया।



जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के लिए मास्टर ट्रेनर्स के प्रथम बैच का प्रशिक्षण संपन्न

16 से 19 नवम्बर तक फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण हेतु दूसरे बैच का आयोजन, राज्य में 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक होगा जनगणना का मैदानी कार्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण अर्थात् मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य छत्तीसगढ़ में 01 से 30 मई 2026 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अब दूसरे चरण की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। राज्य में इस चरण का मैदानी कार्य 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर प्रत्येक परिवार के सदस्यों की गणना करेंगे।



जनगणना जैसे व्यापक राष्ट्रीय कार्य की सफलता के लिए प्रशिक्षित और दक्ष मानव संसाधन महत्वपूर्ण है। दूसरे चरण में राज्यभर में लगभग 66 हजार प्रगणक एवं पर्यवेक्षक मैदानी स्तर पर कार्य करेंगे। इनके प्रशिक्षण के लिए जिलों द्वारा 1,120 फील्ड ट्रेनर्स नामित किए गए हैं। फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षित करने के लिए जिलों से 47 और जनगणना कार्य निदेशालय से 13, कुल 60 मास्टर ट्रेनर्स नामित किए गए हैं। भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार, छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव के मार्गदर्शन तथा जनगणना के नोडल एवं गृह विभाग की राज्य नोडल अधिकारी निहारिका बारीक, प्रमुख सचिव और जनगणना कार्य निदेशालय, छत्तीसगढ़ के निदेशक कार्तिकेया गोयल के दिशा-निर्देशों में मास्टर ट्रेनर्स का राज्यस्तरीय प्रशिक्षण नवा रायपुर अटल नगर स्थित प्रशासन अकादमी में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण दो बैचों में आयोजित किया जा रहा है। प्रथम बैच का चार दिवसीय प्रशिक्षण 02 नवम्बर से शुरू होकर 05 नवम्बर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ के लिए नामित राष्ट्रीय प्रशिक्षक अशोक मिश्र और प्रदीप कुमार साव, दोनों संयुक्त निदेशक, ने प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रथम बैच में 16 जिलों में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर- रामानुजगंज, सरगुजा, जशपुर, रायगढ़, कोरबा, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, मुंगेली, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, बलौदाबाजार-भाटापारा और खैरागढ़-छुईखदान- गंडई के मास्टर ट्रेनर्स शामिल हुए। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को जनगणना के दूसरे चरण की प्रक्रिया, प्रश्नावली, प्रगणना की तकनीकी बारीकियों, मोबाइल एप्लीकेशन के उपयोग, आंकड़ों के संकलन और गुणवत्ता सुनिश्चित करने सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई। व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें आगे फील्ड ट्रेनर्स को प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने के लिए तैयार किया गया।

प्रशिक्षण श्रृंखला का दूसरा बैच 16 से 19 नवम्बर 2026 तक प्रशासन अकादमी, नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित होगा। इस बैच को भी दोनों राष्ट्रीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण देंगे। मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण के बाद वे जिला स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षित करेंगे। इसके बाद फील्ड ट्रेनर्स प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे।

इस बहुस्तरीय व्यवस्था के माध्यम से राज्य के सभी जनगणना कार्यकर्ताओं को दूसरे चरण के लिए तैयार किया जाएगा। जनगणना-2027 का दूसरा चरण राज्य के प्रत्येक व्यक्ति की गणना सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है। प्रशिक्षण के सभी स्तरों पर तकनीकी दक्षता, कार्य की शुद्धता, समयबद्धता और उत्तरदायित्व पर विशेष बल दिया जा रहा है, ताकि छत्तीसगढ़ में जनगणना का कार्य व्यवस्थित और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके।





भूमि पेडनेकर की नई फिल्म 'जानी दुश्मन' का ऐलान, पहली बार हॉरर फिल्म में आएंगी नजर



बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर अब तक कई तरह के किरदार निभा चुकी हैं, लेकिन इस बार वह दर्शकों को डराने की तैयारी में हैं। उनकी नई फिल्म 'जानी दुश्मनः डर के आगे मौत' का ऐलान हो गया है। यह एक सुपरनैचुरल हॉरर थ्रिलर होगी, जिसकी कहानी डर, पारिवारिक रहस्यों और अलौकिक शक्तियों के इर्द-गिर्द बुनी गई है। भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी। पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, दर्द तो बहुत देखा होगा, लेकिन अब खौफ महसूस करने के लिए तैयार हो जाइए। उनके इस अंदाज ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। हालांकि, अभी यह साफनहीं हुआ है कि फिल्म में भूमि किस तरह का किरदार निभाने वाली हैं।

'जानी दुश्मनः डर के आगे मौत' का निर्देशन अरशद सैयद कर रहे हैं। वहीं, रॉबी ग्रेवाल इस प्रोजेक्ट से क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े हैं। फिल्म को टी-सीरीज के भूषण कुमार और अलमाइटी मोशन पिक्चर की प्रभलीन संधू मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। भूषण कुमार ने इस सहयोग पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अलमाइटी मोशन पिक्चर उनके भरोसेमंद क्रिएटिव पार्टनर्स में से एक है। 'मेड इन इंडिया- अ टाइटन स्टोरी' सीरीज के बाद दोनों प्रोडक्शन हाउस एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं।

मां-बेटी के रिश्ते के बीच छिपा होगा खौफनाक राज

फिल्म की कहानी मां और बेटी के रिश्ते पर आधारित होगी। इस पारिवारिक कहानी में ऐसे रहस्य सामने आएंगे, जिनका संबंध अलौकिक शक्तियों से होगा। फिल्म की पूरी कहानी यूनाइटेड किंगडम में सेट की गई है। मेकर्स ने इसे हॉरर और थ्रिल के साथ पारिवारिक भावनाओं से जोड़ने की कोशिश की है। फिल्म के एक्शन और स्टंट को खास बनाने के लिए हॉलीवुड के मशहूर स्टंट डायरेक्टर पीटर पेड्रेरो को भी टीम में शामिल किया गया है। वह 'हैरी पॉटर', 'फास्ट एंड फ्यूरियस', 'द एक्सपेंडेबल्स', 'गेम ऑफ थ्रोन्स' और 'द कॉन्ज्यूरिंग' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं।

प्रभलीन संधू ने भी फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है। उनका कहना है कि भूषण कुमार और टी-सीरीज के साथ उनका जुड़ाव हमेशा खास रहा है। इस फिल्म के जरिए उन्हें रॉबी ग्रेवाल और अरशद सैयद के साथ दोबारा काम करने का मौका मिल रहा है। फिल्म के को-प्रोड्यूसर शिव चनाना और सुनीता विनोद व्यास हैं। फिलहाल भूमि के किरदार और फिल्म की बाकी स्टारकास्ट को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। अब देखना होगा कि 2027 में रिलीज होने वाली यह हॉरर थ्रिलर दर्शकों को कितना डराने में कामयाब होती है।



बॉक्स ऑफिस पर छाई 'रामायण' ओपनिंग डे पर बरसे करोड़ों रुपये

फैंस को लंबे समय से 'रामायण' का इंतजार था। आखिरकार 'दंगल' फेम नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी ये फिल्म सिनेमाघरों में सज चुकी है। जानिए बॉक्स ऑफिस पर इसके लिए पहला दिन कैसा रहा।



कैसी रही 'रामायण' की शुरुआत?

फिल्म 'रामायण' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। फिल्म को देशभर में कुल 13,899 शो में दिखाया जा रहा है। पहले दिन फिल्म ने दोपहर 3 बजे तक भारत में 28.82 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है।

इतना हुआ ग्रॉस कलेक्शन

भाषा के हिसाब से देखें तो फिल्म ने हिंदी में सबसे ज्यादा कमाई की है। हिंदी वर्जन ने 11,485 शो के जरिए 20.95 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं, कन्नड़ में 701 शो से 3.45 करोड़ रुपये, तेलुगु में 942 शो से 2.83 करोड़ रुपये और तमिल में 490 शो से 1.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन हुआ है। मलयालम वर्जन ने 281 शो के जरिए 54 लाख रुपये कमाए हैं। इस तरह फिल्म का भारत में कुल ग्रॉस कलेक्शन 34.01 करोड़ रुपये और नेट कलेक्शन 28.82 करोड़ रुपये हो गया है। हालांकि, पहले दिन की फाइनल कमाई के आंकड़े अभी सामने आने बाकी हैं। रामायण के अलावा इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' भी लगी हुई है। 'जेलर 2' भी बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। हाल ही में इसने दुनियाभर में 800 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर लिया है। इसके अलावा आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म 'उड़ता तीर' भी बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई कर रही है। इन दोनों फिल्मों से 'रामायण' की टक्कर होगी।

'रामायण' के बारे में

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म 'रामायण', 'प्राइम फोकस स्टूडियो' और यश के 'मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स' के तहत बनी है।

इसमें रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी के अलावा सनी देओल, रवि दुबे, अनुपम खेर, काजल अग्रवाल, रकुल प्रीत सिंह और विवेक ओबेरॉय जैसे कलाकार नजर आएंगे।

पंकज त्रिपाठी की 'पारिवारिक मनोरंजन' का ट्रेलर जारी, कॉमेडी और रहस्य का दिखेगा अनोखा मेल

अभिनेता पंकज त्रिपाठी की आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' का ट्रेलर जारी हो गया है। ट्रेलर से संकेत मिलता है कि फिल्म में हास्य, पारिवारिक हलचल और रहस्य का दिलचस्प मेल देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी में एक रहस्यमयी महिला के आने से कई अप्रत्याशित घटनाएं शुरू हो जाती हैं। फिल्म में पंकज त्रिपाठी ने रंजन दुबे का किरदार निभाया है। रंजन की जिंदगी उस समय बदलने लगती है, जब उनके घर हेलेन नाम की एक नई कामवाली आती है। इस भूमिका में अदिति राव हैदरी नजर आएंगी। शुरुआत में सामान्य दिखने वाली घटनाएं उस समय रहस्यमय मोड़ ले लेती हैं, जब पुलिस मनु जोशी नाम के व्यक्ति की तलाश शुरू कर देती है। इसके बाद हेलेन की पहचान और उसके अतीत को लेकर कई सवाल खड़े होने लगते हैं। कहानी में यह रहस्य बना रहता है कि आखिर हेलेन कौन है और वह किन राजों को छिपा रही है।



वरुण वी. शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में बृजेंद्र काला भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अली अब्बास जफर और वरुण वी. शर्मा के साथ मिलकर फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद लिखे हैं। इसके अलावा मुकेश तिवारी और सुनीता रजवार भी महत्वपूर्ण किरदारों में दिखाई देंगे। फिल्म का निर्माण भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और एएजेड फिल्म्स ने मिलकर किया है। अली अब्बास जफर फिल्म के रचनात्मक निर्माता हैं। यह दोनों निर्माण संस्थानों का नया सहयोग है।

'पारिवारिक मनोरंजन' 13 नवंबर, 2026 को सोनीलिव पर प्रसारित होगी। ट्रेलर के सामने आने के बाद दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

'बहुत पैसे ऑफर हुए, फिर भी...'

'स्त्री 2' के बाद श्रद्धा ने 3 साल तक क्यों नहीं साइन की कोई फिल्म?

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ईठा' को लेकर चर्चा में हैं। साल 2023 में आई 'स्त्री 2' के बाद से वह बड़े पर्दे पर नजर नहीं आई हैं। ऐसे में उनके फैंस लंबे समय से उनकी अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। अब करीब 3 साल बाद श्रद्धा फिल्म 'ईठा' के जरिए सिनेमाघरों में वापसी करने जा रही हैं। इस बीच अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि 'स्त्री 2' के बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बनाने का फैसला क्यों लिया था।

दिलचस्प बात यह है कि इस दौरान श्रद्धा के पास फिल्मों की कमी नहीं थी। उन्हें कई फिल्मों के ऑफर्स मिले और अच्छी-खासी रकम भी ऑफर की गई। इसके बावजूद उन्होंने किसी भी प्रोजेक्ट को जल्दबाजी में स्वीकार नहीं किया।

बहुत फिल्में ऑफर हुईं, बहुत पैसे भी मिले

श्रद्धा कपूर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ सवाल-जवाब का सेशन रखा था। इस दौरान श्रद्धा ने कहा, स्त्री 2 के बाद मुझे बहुत फिल्में ऑफर हुईं, बहुत पैसे भी ऑफर हुए। लेकिन मैंने तय कर लिया था कि जब तक मुझे वह परफेक्ट कहानी नहीं मिलती, तब तक मैं कुछ भी साइन नहीं करूंगी। मेरे दिल ने कहा कि मुझे धैर्य रखना पड़ेगा और मैंने वही किया।

मुश्किल था इंतजार करना, लेकिन फैसले से खुश हैं श्रद्धा

श्रद्धा ने आगे कहा कि इंतज़ार करना मुश्किल तो होता है, लेकिन अभी उन्हें अपने फैसले पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, इसलिए, मैं यही कहूंगी कि अपने दिल की आवाज़ सुनें। कभी-कभी मुश्किल हो जाती है, लेकिन यह पूरी तरह से सार्थक है।

'ईठा' से बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी श्रद्धा कपूर

अब श्रद्धा कपूर फिल्म ईठा के साथ सिनेमाघरों में वापसी करने जा रही हैं। ईठा उनके लिए एक अहम फिल्म मानी जा रही है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है जिसे दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। श्रद्धा कपूर की फिल्म ईठा 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। पहले यह फिल्म अगस्त में रिलीज की जानी थी, लेकिन बाद में इसकी रिलीज तारीख आगे बढ़ा दी गई।



पुराने दीयों को न समझें बेकार, घर की सजावट में इन 8 तरीकों से करें दोबारा इस्तेमाल



दिवाली पर घर को रोशन करने के लिए हम कई तरह के दीये खरीदते हैं। त्योहार खत्म होने के बाद इनमें से कई दीये इस्तेमाल के बाद खाली पड़े रह जाते हैं। अगर आपके घर में भी पुराने मिट्टी के दीयों का ढेर लगा है, तो उन्हें बेकार समझकर हटाने की जरूरत नहीं है। थोड़ी पेंटिंग, सजावट और नए आइडिया की मदद से इन्हें दोबारा काम में लाया जा सकता है। ये न सिर्फघर की सुंदरता बढ़ाएंगे, बल्कि बिना ज्यादा खर्च किए सजावट का नया सामान भी तैयार हो जाएगा।

पुराने दीयों को सजाने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- दीयों को इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह साफ करें और पूरी तरह सूखने दें।
- टूटे या दरार वाले दीयों को जलाने के लिए इस्तेमाल न करें।
- पेंट और सजावट का सामान दीये के अंदरूनी हिस्से और बाती के पास न लगाएं।
- शीशे, मोती और दूसरी सजावटी चीजों से सजे दीयों को केवल डेकोरेशन के लिए रखें।
- एलईडी लाइट का इस्तेमाल करते समय भी दीये को ऐसी जगह रखें जहां वह आसानी से गिर न सके।

पुराने दीयों से घर सजाने के 8 क्रिएटिव आइडिया

1. रंग-बिरंगे पेंट से दें नया लुक

पुराने दीयों को नया बनाने का सबसे आसान तरीका है उन्हें पेंट करना। आप पीला, सफेद, नीला, सुनहरा या अपनी पसंद का कोई भी रंग चुन सकते हैं।

दीयों पर फूल, पत्तियां, छोटी बिंदियां या दूसरे डिजाइन बनाएं। इन्हें सूखने के बाद किसी ट्रे, टेबल या शेल्फ पर सजाकर रखें। एक जैसे रंगों वाले दीये साथ रखने से सजावट और भी सुंदर दिखेगी।

2. मिरर और मोतियों से करें सजावट

अगर आप दीयों को थोड़ा ट्रेडिशनल और आकर्षक लुक देना चाहते हैं, तो उन पर छोटे शीशे, कुंदन या रंगीन मोती लगा सकते हैं। इन्हें दीये के बाहरी हिस्से पर फूल या बॉर्डर के आकार में चिपकाएं।

पूजा घर या सेंटर टेबल पर ऐसे सजे दीये खूबसूरत लगेंगे। ध्यान रखें कि सजावट का सामान बाती और आग के संपर्क में न आए। ऐसे दीयों को जलाने के बजाय केवल सजावट के लिए इस्तेमाल करें।

3. रंगोली के साथ सजाएं पुराने दीये

रंगोली को खास बनाने के लिए उसके चारों ओर पुराने दीये सजा सकते हैं। इन्हें गोल आकार में या रंगोली की बाहरी सीमा पर एक-एक करके रखें। बीच की खाली जगह में फूलों की पंखुड़ियां, रंग या पत्तियां डालें।

4. छोटे पौधों के लिए बनाएं मिनी प्लांटर

बड़े और साबुत मिट्टी के दीयों को छोटे प्लांटर में बदला जा सकता है। थोड़ी मिट्टी भरकर छोटे पौधे या सक्युलेंट लगा दें। इन्हें खिड़की, बालकनी या वर्क डेस्क पर रखा जा सकता है।

छोटे पौधों के लिए बनाएं मिनी प्लांटर

5. हल्दी-कुमकुम रखने के आएंगे काम

पुराने दीयों को पूजा से जुड़ी छोटी चीजें रखने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एक साफ और साबुत दीये के बाहरी हिस्से को पेंट या डिजाइन से सजाएं। इसमें हल्दी, कुमकुम या पूजा में इस्तेमाल होने वाली छोटी चीजें रख सकते हैं।

6. दीयों से बनाएं खूबसूरत वॉल हैंगिंग

घर की खाली दीवार को सजाने के लिए पुराने दीयों की मदद से वॉल हैंगिंग तैयार करें। इसके लिए लकड़ी का मजबूत बोर्ड या फ्रेम लें। उस पर दीयों को फूल, गोल या किसी सुंदर पैटर्न में चिपकाएं।

खाली जगहों को कृत्रिम फूलों, मोतियों या सजावटी चीजों से भर सकते हैं। दीयों को अच्छी तरह फिक्स करें। इसमें रोशनी के लिए खुली लौ के बजाय एलईडी लाइट का इस्तेमाल करना बेहतर रहेगा।

7. एलईडी टी-लाइट के लिए करें इस्तेमाल

जो पुराने दीये साबुत हैं, लेकिन अब उनमें तेल या घी डालकर बाती नहीं जलाना चाहते, उन्हें एलईडी टी-लाइट होल्डर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। दीयों के बाहरी हिस्से को कमरे की सजावट से मेल खाते रंगों से पेंट करें।

8. टेबल सेंटरपीस से बढ़ाएं घर की खूबसूरती

पुराने दीयों से कॉफी टेबल या डाइनिंग टेबल के लिए आकर्षक सेंटरपीस भी तैयार किया जा सकता है। एक गोल ट्रे में कुछ सजे हुए दीये रखें। इनके बीच में कृत्रिम फूल, सूखी पंखुड़ियां या सजावटी पत्थर लगा सकते हैं।

खास-खबर

जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा

नारायणपुर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रायपुर के निर्देशानुसार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर में जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2026-27 का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त सौजन्य से आयोजित इस प्रदर्शनी का मुख्य विषय सतत एवं विकसित भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार रखा गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला मिशन समन्वयक दीनबंधु रावटे द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए 20 से अधिक टीमों एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने विज्ञान आधारित मॉडल और नवाचारी प्रदर्श प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कृषि पद्धतियों, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विभिन्न विषयों में निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया गया।

सौर ऊर्जा से जगमगाया नारागांव, बना प्रदेश का पहला सोलर दीदी के माध्यम से ऊर्जीकृत ग्राम

- सोलर दीदियों की पहल से 150 से अधिक घरों में स्थापित हुए सोलर रूफटॉप सिस्टम, महिला नेतृत्व और जनभागीदारी से रचा नया इतिहास
- आर्थिक संबलता का बनी उत्कृष्ट उदाहरण, 2.50 लाख रूपए की अतिरिक्त आय

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले का नारागांव स्वच्छ ऊर्जा, महिला सशक्तीकरण और सामुदायिक सहभागिता की दिशा में एक नई पहचान बना रहा है। जिले की 'सोलर दीदियों' के अथक प्रयासों और सामूहिक पहल से नारागांव प्रदेश का पहला ऊर्जीकृत गांव बनकर उभरा है। गांव के 150 से अधिक घरों में 2 किलोवॉट के सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे 300 किलोवॉट विद्युत का उत्पादन हो रहा है। यह उपलब्धि न केवल स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता का भी सशक्त उदाहरण है।

नारागांव में सौर ऊर्जा के विस्तार में 'सोलर दीदियों' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन महिलाओं ने ग्रामीण परिवारों से संपर्क कर उन्हें सौर ऊर्जा के लाभों की जानकारी दी और घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, सामूहिक प्रयास और बेहतर स्व-प्रबंधन से यह पहल सफलतापूर्वक धरातल पर उतरी है। इससे ग्रामीण महिलाओं को विकास की प्रक्रिया में नेतृत्व करने का अवसर मिला है और गांव में स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है।

इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता इसका 'शून्य हितग्राही अंशदान और शून्य अतिरिक्त शासकीय सहयोग' मॉडल है। इसके अंतर्गत हितग्राहियों को सोलर रूफटॉप स्थापना के लिए अपनी ओर से कोई अतिरिक्त राशि नहीं देनी पड़ी है। सोलर दीदियों के प्रयासों, सामूहिक सहभागिता और स्व-प्रबंधन के माध्यम से इसे सफल बनाया है।

सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। नारागांव में घर-घर सोलर रूफटॉप की स्थापना से ग्रामीणों को स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग का अवसर मिल रहा है।

यह पहल आने वाले समय में अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। सामुदायिक सहयोग और स्थानीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से विकास के नए रास्ते तैयार किए जा सकते हैं।

'महिला सशक्तीकरण और जनभागीदारी का अनुकरणीय उदाहरण'

गुरूर ब्लॉक के आँचल महिला संकुल संगठन के दीदियों का ग्राम नारागांव की यह उपलब्धि बताती है कि जब महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिलता है और समुदाय एकजुट होकर प्रयास करता है, तो बड़े से बड़ा बदलाव भी संभव होते हैं। 'सोलर दीदियों' ने अपनी सक्रिय भूमिका से यह साबित किया है कि ग्रामीण महिलाएं केवल योजनाओं की हितग्राही ही नहीं, बल्कि विकास और परिवर्तन की महत्वपूर्ण नेतृत्वकर्ता भी हैं और यह एक व्यवसाय के रूप में आर्थिक संबलता भी प्रदान करता हैं इसके माध्यम से इन सोलर दीदियों को अबतक 2.50 लाख रूपए से अधिक की आय भी हो गई है। नारागांव का यह अनूठा मॉडल स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण और सामुदायिक आत्मनिर्भरता के समन्वय का प्रेरक उदाहरण है। सोलर दीदियों के माध्यम से प्रदेश के पहले ऊर्जीकृत गांव के रूप में नारागांव की यह पहल छत्तीसगढ़ में हरित ऊर्जा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में युवाओं ने कला, संस्कृति और नवाचार का किया प्रभावशाली प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज



धमतरी। युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने, उनकी रचनात्मक क्षमता को मंच प्रदान करने तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खेल एवं युवा कल्याण विभाग, धमतरी द्वारा गुरुवार को विंध्यवासिनी मंदिर के पीछे स्थित सामुदायिक भवन में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नगर निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा मुख्य अतिथि तथा छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उत्सव में जिले के युवाओं ने कला, संस्कृति, विचारों और नवाचार से जुड़ी अपनी प्रतिभा का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया। जिला स्तरीय युवा उत्सव में बालगृह (बालक), धमतरी के बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। बच्चों संगीतमय छत्तीसगढ़ी गीत प्रस्तुत कर अपनी कला एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। उनकी सहभागिता ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। इस अवसर ने बालगृह के बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अन्य युवाओं के साथ अपनी कला साझा करने का अवसर प्रदान किया। युवा उत्सव में विकसित भारत चौलेंज ट्रैक, लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, कहानी लेखन, चित्रकला, क्रिएटिव यूथ रील चौलेंज, पारंपरिक वेशभूषा तथा रॉक बैंड सहित कुल नौ विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनके माध्यम से युवाओं को अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति, कलात्मक कौशल, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक जागरूकता और तकनीकी समझ प्रदर्शित करने का अवसर मिला। लोकनृत्य, लोकगीत एवं पारंपरिक वेशभूषा की प्रस्तुतियों में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति की झलक दिखाई दी, वहीं आधुनिक विधाओं में युवाओं ने समसामयिक विषयों पर अपने विचार और नवाचार प्रस्तुत किए।

मुख्य अतिथि महापौर रामू रोहरा ने कहा कि युवा शक्ति ही देश की सबसे बड़ी ताकत और विकसित भारत की आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। विकसित भारत का निर्माण शिक्षा, कौशल, रोजगार, खेल, तकनीक, नवाचार और सामाजिक सहभागिता के समन्वय से ही संभव है।

अंडर-23 कर्नल सी.के. नायुडू ट्रॉफी: वर्षा से प्रभावित मुकाबले में छग की पहली पारी 104 रनों पर सिमटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा मेंस अंडर-23 कर्नल सी.के. नायुडू ट्रॉफी 2026-27 का आयोजन 12 अक्टूबर 2026 से किया जा रहा है।

प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम का तीसरा मुकाबला 3 से 6 नवंबर 2026 तक सेक्टर-10 मैदान, भिलाई में मध्य प्रदेश अंडर-23 टीम के विरुद्ध खेला जा रहा है। मध्य प्रदेश अंडर-23 टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। वर्षा से प्रभावित मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम की पहली पारी 43.2 ओवरों में महज 104 रनों पर सिमट गई। छत्तीसगढ़ की ओर से रुद्र प्रताप देहारी ने सर्वाधिक 29 रन बनाए, जबकि शोभित शर्मा ने 21 रनों का योगदान दिया। इनके अतिरिक्त अम्बरीश सिंह ही 14 रन बनाकर दहाई का आंकड़ा पार कर सके।

मध्य प्रदेश की ओर से रोहित सिंह राजावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट हासिल किए। वहीं सौमी पांडेय ने 3 विकेट तथा ईशान चौधरी ने 2 विकेट प्राप्त किए।

छत्तीसगढ़ की पहली पारी समाप्त होने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी मध्य प्रदेश की टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 9 ओवरों में बिना किसी विकेट के नुकसान पर 17 रन बना लिए थे।

तीसरे दिन की समाप्ति पर मध्य प्रदेश की टीम छत्तीसगढ़ से पहली पारी के आधार पर 87 रन पीछे है। अब मुकाबले के चौथे दिन दोनों टीमों के बीच आगे की टक्कर देखने को मिलेगी।

रेलवे मालगोदाम श्रमिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रेलवे मालगोदाम में कार्यरत श्रमिकों के स्वास्थ्य की देखभाल और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को रायगढ़ के सिंधी भवन, पक्की खोली में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं विभिन्न जांचों की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

भारतीय रेलवे मालगोदाम श्रमिक संघ की छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई के नेतृत्व में आयोजित इस पहल का उद्देश्य मालगोदामों में काम करने वाले श्रमिकों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना तथा उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के निर्देशानुसार और रेलवे प्रशासन के सहयोग से रायगढ़ एवं बाराद्वार मालगोदाम में कार्यरत श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

रणजी ट्रॉफी: रोमांचक मुकाबले में छत्तीसगढ़ को हैदराबाद ने 1 विकेट से हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। बीसीसीआई द्वारा रणजी ट्रॉफी 2026-27 का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम का चौथा मुकाबला 2 से 5 नवंबर 2026 तक जीमखाना स्टेडियम, हैदराबाद में हैदराबाद की टीम के विरुद्ध खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद ने छत्तीसगढ़ को महज 1 विकेट से हराकर जीत दर्ज की।

छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने अपनी पहली पारी में 90.1 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर 284 रन बनाए। छत्तीसगढ़ की ओर से कप्तान अनुज तिवारी ने शानदार 72 रन और विकल्प तिवारी ने 69 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। इनके अलावा मयंक वर्मा और जयंत यादव ने 36-36 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद की ओर से मिलिंद ने 3 विकेट, जबकि रक्षण रेड्डी और अनिकेत रेड्डी ने 2-2 विकेट हासिल किए।

इसके जवाब में हैदराबाद की टीम ने अपनी पहली पारी में 86.1 ओवरों में 280 रन बनाए और छत्तीसगढ़ से 4 रन पीछे रह गई। हैदराबाद की ओर से राहुल रादेश ने 72 रन और हीमातेजा ने 46 रन बनाए। वहीं अनिकेत रेड्डी ने 32 तथा तनय त्यागराजन ने 34 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली। छत्तीसगढ़ की ओर से धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके, जबकि देव आदित्य सिंह और जयंत यादव ने 2-2 विकेट प्राप्त किए।

पहली पारी में 4 रनों की बढ़त हासिल करने के बाद छत्तीसगढ़ ने अपनी दूसरी पारी में 68.4 ओवरों में सभी विकेट खोकर 254 रन बनाए। टीम की ओर से मयंक वर्मा ने बेहतरीन 81 रन और संजीत देसाई ने 51 रन बनाए। इनके अलावा धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने 38 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद की ओर से रक्षण रेड्डी और अनिकेत रेड्डी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट हासिल किए।

इस तरह हैदराबाद को जीत के लिए 259 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम ने कड़े संघर्ष के बाद 79.4 ओवरों में 9 विकेट खोकर 259 रन बना लिए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। हैदराबाद की ओर से अभिस्थ रेड्डी ने 68 रन और वरुण गौढ़ ने 55 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। वहीं अनिकेत रेड्डी ने नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत सुनिश्चित की। छत्तीसगढ़ की ओर से देव आदित्य सिंह ने 3 विकेट हासिल किए।

इस प्रकार बेहद रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद ने छत्तीसगढ़ को 1 विकेट से पराजित कर दिया।

किसानों की सुविधा और पारदर्शी धान खरीदी के लिए प्रशासन ने कसी कमर, 15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

- उपार्जन केंद्रों में सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के दिए कड़े निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज



बालोद। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों को लेकर कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर श्री सुरेंद्र प्रसाद वैद्य ने की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को धान खरीदी की सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए।

अपर कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप धान खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता, सुगमता और व्यवस्थित ढंग से किया जाना चाहिए। किसानों को अपनी उपज बेचने के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता और जिम्मेदारी से निर्वहन करें।

बैठक में बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक की जाएगी। इसके लिए जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए गए।

किसानों के रकबे के अनुसार मिलेगी टोकन सुविधा: धान खरीदी व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए किसानों के रकबे के अनुसार टोकन वितरण की व्यवस्था निर्धारित की गई है। इसके तहत 2 एकड़ से कम भूमि वाले किसानों को एक टोकन, 2 एकड़ से अधिक तथा 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को अधिकतम दो टोकन और 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को अधिकतम तीन टोकन दिए जाएंगे। इससे खरीदी केंद्रों में भीड़ को नियंत्रित करने और धान खरीदी को व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी।

बैठक में कस्टम मिलिंग एवं परिवहन व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में नागरिक आपूर्ति निगम के पास निर्धारित 50 प्रतिशत तक चावल जमा करने वाले राइस मिलर्स के साथ ही खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए कस्टम मिलिंग का अनुबंध किया जाएगा। साथ ही, वर्ष 2026-27 की धान खरीदी अवधि पूरी होने के बाद ही मिलर्स को कस्टम मिलिंग के लिए धान का प्रदाय किया जाएगा।

धान खरीदी प्रारंभ होने के बाद प्रत्येक उपार्जन केंद्र में पीसीएसएपी के माध्यम से धान की ग्रेडिंग करना अनिवार्य होगा। इससे धान की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने में सहायता मिलेगी। जिले के सभी उपार्जन एवं संग्रहण केंद्रों में 02 नवंबर से 05 नवंबर 2026 तक ट्रायल रन आयोजित किया जा रहा है। बैठक में जानकारी दी गई कि 04 नवंबर तक जिले के 142 केंद्रों में ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है, जबकि शेष 19 केंद्रों में प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों को शेष केंद्रों का ट्रायल रन भी निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए गए।

पुराने और नए बारदानों का होगा समान उपयोग: धान उपार्जन के दौरान बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पुराने बारदानों (पीडीएस, मिलर्स एवं समितियों द्वारा उपलब्ध) तथा नए बारदानों का उपयोग 50:50 के अनुपात में किया जाएगा। इससे बारदानों की उपलब्धता और उपयोग का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। अपर कलेक्टर सुरेंद्र प्रसाद वैद्य ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी से जुड़ी प्रत्येक व्यवस्था की नियमित निगरानी करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। उन्होंने कहा कि किसानों का हित सर्वोपरि है। प्रशासन का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले तथा पूरी खरीदी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और सुगम तरीके से संपन्न हो।

मेतरा में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक पेयजल योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

बेमेतरा। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा आज कलेक्ट्रेट में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत चल रही योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। समूह जलप्रदाय योजना और TPI देयकों के भुगतान पर चर्चा की गई। साथ ही 08 सितंबर के बाद मिले बजट आबंटन और भुगतानों का अनुमोदन,एकल ग्राम नलजल योजनाओं के मेंटेनेंस और नियमित संचालन पर जोर,नल जल मित्रों को गांव में लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि हर घर तक शुद्ध और नियमित पेयजल पहुंचाना प्राथमिकता है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

रायगढ़ में ग्रामीण की संदिग्ध लाश मिली, जांच में जुटी पुलिस

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में गुरूवार की सुबह एक ग्रामीण की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजते हुए जांच में जुट गई है। मामला पुसौर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार पुसौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम छींच गांव में जोरानाला के पास गांव के ही रहने वाले एक ग्रामीण मित्रभानु भोय 59 साल की लाश मिली है। मृतक के सिर व चेहरे पर मिले चोट के निशान को देखते हुए गांव के ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई है। बताया जा रहा है कि मित्रभानु भोय खेती किसानी के अलावा हलवाई का काम करता था और कल शाम मैदान जाने के नाम पर घर से निकला था, लेकिन रात भर घर नही लौटा था। पुसौर पुलिस घटना स्थल पहुंचकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा, फिलहाल पुलिस गांव के ग्रामीणों से पूछताछ कर जांच में जुट गई है।

टाटा पावर सोलर के नाम पर 11.36 लाख की ठगी

राजनांदगांव। साइबर पुलिस ने टाटा पावर सोलर कंपनी का फर्जी वितरक बनाने के नाम पर 11 लाख 36 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने सात मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, स्कैनर डिवाइस, दो एटीएम कार्ड और ग्राहकों की जानकारी वाली नोटबुक समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। गिरोह के बदमाश लोगों को झांसे में लेने के लिए सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर टाटा पावर सोलर कंपनी की डिस्ट्रीब्यूटरशिप देने का फर्जी विज्ञापन लिंक तैयार करते थे। जब व्यक्ति उस लिंक पर क्लिक करके अपना नाम, मोबाइल नंबर और अन्य व्यक्तिगत जानकारी दर्ज करता था, तो आरोपी खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताकर उससे फोन पर संपर्क साधते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 27 वर्षीय प्रशांत कुमार उर्फ निक्की और निवासी 34 वर्षीय अभिषेक कुमार यादव उर्फ रवि के रूप में हुई है।

पुरानी रंजिश को लेकर जमकर मारपीट

बिलासपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर इडली-डोसा ठेला संचालक और उसके सहयोगी के साथ जमकर मारपीट की गई। इस घटना में हर्ष धनकर को गंभीर चोटें आई हैं, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, उसके सहयोगी रितेश साहू को भी सामान्य चोटें आई हैं। बदोनों पक्षों के बीच इससे पहले सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में विवाद हुआ था। उस दौरान आपसी समझौता भी हो गया था, लेकिन पुरानी रंजिश के चलते एक बार फिर मारपीट की घटना हो गई। मामले में पुलिस ने पंकज लहरे, राहुल चतुर्वेदी, ऋषभ राज कोसले और सारिक अली के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। सिविल लाइन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

केशकाल में वन विभाग का छापा

घर में छिपाकर रखे सागौन-साल के 80 नग चिरान जब्त, केस दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

केशकाल। वन संपदा के अवैध दोहन और लकड़ी के गैरकानूनी कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए ग्राम चिचाड़ी में एक घर से भारी मात्रा में लकड़ी जब्त की है। तहसील बड़े राजपुर के इस गांव में की गई तलाशी के दौरान सागौन और साल के कुल 80 नग चिरान बरामद हुए। इनमें सागौन के 66 और साल के 14 नग शामिल हैं।



गुप्त सूचना पर जारी हुआ सर्च वारंट

वन विभाग को सूचना मिली थी कि ग्राम चिचाड़ी में एक व्यक्ति ने अपने घर में अवैध रूप से सागौन और साल की लकड़ी जमा कर रखी है। सूचना की पुष्टि और कार्रवाई के लिए उप वनमंडलाधिकारी केशकाल ने सर्च वारंट जारी किया। इसके बाद वन परिक्षेत्र बड़े राजपुर की टीम ने संबंधित घर पहुंचकर नियमानुसार तलाशी ली।

पंचनामा बनाकर 80 नग लकड़ी जब्त

तलाशी के दौरान घर में रखे 66 नग सागौन और 14 नग साल के चिरान मिले। वन अधिकारियों ने मौके पर पंचनामा तैयार कर सभी 80 नग लकड़ियों को जब्त कर लिया। इस मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ वन अपराध प्रकरण क्रमांक 19495/07 दर्ज किया गया है। विभाग ने 5 नवंबर को छत्तीसगढ़ वनोपज व्यापार विनियमन अधिनियम, 1969 की धारा 5 के तहत कार्रवाई शुरू की है।

लकड़ी के स्रोत और कारोबार की हो रही जांच

वन विभाग अब जब्त लकड़ी के स्रोत, उसके संग्रहण और परिवहन से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रहा है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि लकड़ी कहां से लाई गई थी और क्या इसके पीछे किसी बड़े अवैध कारोबार का नेटवर्क सक्रिय है। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाई

यह कार्रवाई वनमंडलाधिकारी दिव्या गौतम और उप वनमंडलाधिकारी सुषमा नेताम के मार्गदर्शन में की गई। अभियान में वन परिक्षेत्र अधिकारी योगेन्द्र समुद, विश्रामपुरी सहायक परिक्षेत्र अधिकारी श्रवण नेताम सहित बड़े राजपुर वन परिक्षेत्र के अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, करंट ने ली पिता-पुत्र की जान



श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। जिले के नेहरू चौक इलाके में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया। यहां एक कारोबारी के घर में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई। इस घटना में करंट की चपेट में आने से पिता- पुत्र की मौत की जानकारी सामने आई है, जबकि पत्नि गंभीर रूप से घायल हो गयी।

कारोबारी दंपती की गई जान

मृतकों की पहचान कारोबारी राजकुमार गुप्ता (47 वर्ष) और उनका बेटा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान परिवार के सदस्य करंट की चपेट में आ गए। घटना के बाद सभी को जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां पिता- पुत्र की मौत की जानकारी सामने आई। वहीं, उनकी पत्नि वर्षा गुप्ता गंभीर रूप से घायल बतायी जा रही है।

रेस्क्यू में जुटी पुलिस और नगर पालिका की टीम

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई। शुरुआती जानकारी में घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगने और करंट फैलने की बात सामने आई है। घटना के वास्तविक कारणों की विस्तृत जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

वन्यजीव तस्करों पर कसा शिकंजा, पैंगोलिन के 9.260 किलो शल्क और तेंदुए की खाल बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। जिले में वन्यजीवों के संगठित शिकार और अवैध तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तस्करी के नेटवर्क का खुलासा किया है। वन विभाग की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर पैंगोलिन के 9.260 किलोग्राम शल्क और तेंदुए की एक खाल बरामद की है। मामले में कुल 6 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, पहली कार्रवाई ग्राम रेड्डी, तहसील गंगालूर में की गई, जहां से पैंगोलिन के शल्क बरामद कर 4 आरोपियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में मिले सुरागों के आधार पर वन विभाग



की टीम ने ग्राम मल्लेपल्ली, बासागुड़ा क्षेत्र में दूसरी दबिश दी। यहां से तेंदुए की एक खाल बरामद करते हुए 2 अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया गया।

गौरतलब है कि पैंगोलिन और तेंदुआ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची-I में शामिल अति संरक्षित वन्यजीव हैं। इनके शिकार और अंगों के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। वन विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

रायपुर में 1.18 करोड़ का वेतन घोटाला, कॉन्स्टेबल गिरफ्तार, मां के खाते में ट्रांसफर किए सरकारी रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में 1 करोड़ 18 लाख रुपए की वित्तीय गड़बड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि चौथी वाहिनी की वेतन शाखा में पदस्थ एक कॉन्स्टेबल ने सरकारी रकम अपनी मां के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दी। मामले में माना थाना पुलिस ने आरक्षक कमलेश कुमार साहू को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, यह गड़बड़ी 1 नवंबर 2012 से 1 अप्रैल 2017 के बीच हुई। इस दौरान कमलेश कुमार साहू चौथी वाहिनी की वेतन शाखा में पोस्टेड था। आरोप है कि उसने अपने पद का फायदा उठाकर वेतन शाखा से 1 करोड़ 18 लाख रुपए अपनी मां के बैंक खाते में जमा करा दिए।



जांच में सामने आया है कि आरोपी ने एक साथ नहीं, बल्कि अलग-अलग समय पर यह रकम खाते में ट्रांसफर की। मामले का खुलासा होने के बाद शिकायत दर्ज कराई गई। इसके आधार पर माना थाना पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अब यह पता लगा रही है कि वेतन शाखा की प्रक्रिया का इस्तेमाल कर इतनी बड़ी रकम कैसे ट्रांसफर की गई। इसके लिए किन दस्तावेजों और प्रक्रियाओं का सहारा लिया गया, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस गड़बड़ी में वेतन शाखा के किसी दूसरे कर्मचारी या अधिकारी की भूमिका तो नहीं थी। जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला से सात लाख की ठगी

बिलासपुर। रेलवे विभाग में नौकरी लगवाने का झांसा देकर एक महिला से सात लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। तारबाहर स्थित एफसीआई गोदाम के पास रहने वाली सविता मिश्रा ने अपने रिश्तेदार और रेलवे कर्मचारी बलभद्र प्रसाद वाजपेयी के खिलाफ तारबाहर थाना व एसपी से लिखित शिकायत की है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसकी बेटी को रेलवे में नौकरी दिलाने का भरोसा देकर अलग-अलग किस्तों में सात लाख रुपए ले लिए न तो नौकरी लगवाई और न ही रकम वापस कर रहा है। पैसे मांगने पर उसे और उसकी बेटी को जान से मारने तथा अपहरण कराने की धमकी दी जा रही है। वह रिश्तेदार होने के कारण महिला को जानता था।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, सिर पर गंभीर चोट के निशान, घटनास्थल से मिला ईंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। ग्राम जमनीमुड़ा में महिला का शव उसके घर के अंदर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतिका की पहचान अगहन कुंवर चौहान के रूप में हुई है। महिला के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। ऐसे में प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना पाली थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, सुबह के वक्त पति सहदेव राम चौहान घर आए तो उन्होंने अपनी पत्नी का शव देखा। महिला की हालत देखकर वह घबरा गया और पड़ोसियों को घटना की



जानकारी दी। महिला के सिर पर गंभीर चोट के निशान होने और घटनास्थल से ईंट के टुकड़े बरामद होने के बाद मामला और संदिग्ध हो गया। आशंका जताई जा रही है कि महिला पर किसी भारी वस्तु से हमला किया गया होगा। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पाली थाना प्रभारी मनीष कौशिक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल पर जांच की। पुलिस ने महिला के शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे हत्या की वजह है या कोई अन्य कारण, इसका पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। साथ ही घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य पहलुओं के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

करेंगुट्टा हिल्स में नक्सलियों के हथियारों का जखीरा मिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बीजापुर के करेंगुट्टा हिल्स में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के बाद अब सुरक्षा बल उनके पुराने ठिकानों में छिपाए गए हथियार और विस्फोटक खोज रहे हैं। 5 नवंबर को ताड़ापाला एफओबी के पास के जंगल में 711 बीजीएल सेल बरामद किए गए हैं। ये सेल करेंगुट्टा हिल्स इलाके में छिपाकर रखे गए थे।

कभी नक्सलियों का सबसे सुरक्षित ठिकाना माने जाने वाले इस इलाके में नक्सलियों ने हथियार और विस्फोटक जमा कर रखे थे। नक्सली इन विस्फोटकों को यहीं बनाए थे और यहीं से बस्तर के अलग-अलग इलाकों में जवानों पर हमला करने के लिए भेजते थे। दरअसल, ताड़ापाला गांव में पहले ग्रामीण रहा करते थे, लेकिन इलाके में नक्सलियों का दबदबा बढ़ने के बाद ग्रामीणों को गांव छोड़ना पड़ा। धीरे-धीरे पूरा गांव वीरान हो गया। इसके बाद नक्सलियों ने इस इलाके को अपना



सुरक्षित ठिकाना बना लिया था।

करेंगुट्टा हिल्स में नक्सलियों ने कैंप के साथ हथियार बनाने की फैक्ट्री भी स्थापित की थी। यहां से नक्सली सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की तैयारी करते थे। साल 2025 में जब फोर्स यहां पहुंची तो नक्सलियों की हथियार बनाने की फैक्ट्री को ध्वस्त किया था।

ऑपरेशन के बाद अब हथियारों की तलाश

करेंगुट्टा हिल्स में सुरक्षा बलों के बड़े ऑपरेशन के बाद इलाके में नक्सलियों का नेटवर्क खत्म हो चुका है। बस्तर भी माओवादियों की जंजीरों से आजाद हो गया है। जवानों ने यहां अपना बेस कैंप भी स्थापित किया है। अब पुलिस और सुरक्षा बल 2.0 अभियान चलाकर नक्सलियों के पुराने ठिकानों में छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक और आईडी खोज रहे हैं। इसी अभियान के तहत 5 नवंबर को जिला पुलिस, सीआरपीएफ की 196वीं वाहिनी और 204 कोबरा की संयुक्त टीम ने ताड़ापाला एफओबी के आसपास सर्च ऑपरेशन चलाया।

इस दौरान एफओबी से करीब डेढ़ किलोमीटर उत्तर-पश्चिम दिशा में करेंगुट्टा हिल्स के जंगल में 711 बीजीएल सेल मिले। जवानों ने सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए सभी सेल अपने कब्जे में ले लिए।

जुआ खेलते पकड़े जाने का डर पुलिस को देखते ही भागा कांग्रेस नेता

बलौदाबाजार। बलौदा बाजार जिले में जुआरियों के खिलाफ पुलिस का ताबड़तोड़ अभियान जारी है। इसी बीच कसडोल थाना क्षेत्र में जुआ खेलने की सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर मौके से फरार हुए कांग्रेस नेता विमल अजय को आखिरकार पुलिस ने दूसरे दिन गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की है।

मामला 4 नवंबर का है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम हसौद के ग्वालिन नाला के पास कुछ लोग रुपये-पैसों का दांव लगाकर कटपत्ती जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर कसडोल पुलिस ने तत्काल मौके पर दबिश दी। पुलिस की गाड़ी देखते ही जुआ फड़ में अफरा-तफरी मच गई और कुछ लोग मौके से भाग निकले।

पुलिस ने मौके से 1020 रुपये नगद और ताश की 52 पत्ती जब्त की। जांच और पूछताछ में गगन यादव, मुकेश यादव, नवीन साहू और विमल अजय के नाम सामने आए। इनमें विमल अजय पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था।

फरार विमल अजय के खिलाफ 5 नवंबर को अपराध क्रमांक 423/26 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उसके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई।

अब सवाल यह है कि पुलिस की जुआ विरोधी कार्रवाई के दौरान मौके से फरार होने वाला आरोपी आखिर दूसरे दिन पुलिस के शिकंजे में कैसे आया फिलहाल कसडोल पुलिस की इस कार्रवाई की चर्चा क्षेत्र में हो रही है।

झोलाछाप डॉक्टर का क्लिनिक सील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। खरसिया क्षेत्र में बिना डिग्री और लाइसेंस के चल रहे अवैध क्लिनिकों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। गुरुवार को देहजरी में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक पर अचानक छापेमारी की और जांच के बाद उसे सील कर दिया।

जानकारी के अनुसार, प्रशासन को काफी समय से शिकायत मिल रही थी कि देहजरी में बिना किसी वैध डिग्री और रजिस्ट्रेशन के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और क्लिनिक के कागजातों की जांच की। जांच के दौरान क्लिनिक संचालक कोई भी वैध मेडिकल डिग्री या क्लिनिक चलाने का लाइसेंस नहीं दिखा सका। मरीजों की जान के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को देखते हुए अधिकारियों ने तुरंत क्लिनिक को सील करने की कार्रवाई की।

प्रशासन की इस अचानक कार्रवाई से इलाके के अन्य झोलाछाप डॉक्टरों और अवैध क्लिनिक संचालकों में हड़कंप मच गया है और कई लोग अपनी दुकानें बंद करके भाग गए। अधिकारियों ने साफ कहा है कि लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी इस तरह की छापेमारी जारी रहेगी।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

मदरटेरेसा नगर जोन क्र.-3

क्र. / लो.क.वि/न0नि0/2026/635 /303 — निविदा सूचना — भिलाई, दिनांक 20/10/2026

कार्य हेतु निविदा तिथि-निविदा जारी करने की तिथि-दिनांक 29.10.2026 2. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि - दिनांक 20.11.2026 सांय 5.30 बजे तक 3. निविदा खोले जाने की तिथि- दिनांक 23.11.2026

क्र.	कार्य का नाम	निविदा लागत (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1	जोन-03 अंतर्गत पार्षद निधि अंतर्गत वार्ड-37 संत रविदास नगर में जमीला लाईन एवं नंदिनी रोड खटाल के पास 02 नग बोर खनन कार्य। (जोन-03)	2.12	3000.00	750.00	45 दिन

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी नगर निगम भिलाई के वेबसाइट www.bhilainagarnigam.com अथवा संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in and चिप्स की वेबसाईट **eproc.cgstate.gov.in** से देखी जा सकती है।

कार्य. अभि. जोन-3

सड़क-किनारे बेच रहे थे पटाखे,टीम ने किया जब्त

रायगढ़। रायगढ़ में दीपावली पर पटाखों की दुकानें सजने लगी हैं। प्रशासन की टीम सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों पर नजर रख रही है। पतरापाली में निर्धारित जगह के बजाय सड़क किनारे पटाखे बेचने पर संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए पटाखे जब्त किए हैं। संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि पतरापाली क्षेत्र में सड़क किनारे पटाखों की दुकान लगाकर बिक्री की जा रही है। इसके बाद राजस्व विभाग और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और जांच की। जांच में ओम पटाखा बाजार के विक्रेता दिनेश पटेल निर्धारित स्थल से अलग सड़क किनारे पटाखे बेचते मिले। टीम ने इसे सुरक्षा नियमों का उल्लंघन मानते हुए पटाखे जब्त कर लिए। अस्थायी आतिशबाजी विक्रय अनुज्ञप्ति की शर्तों के अनुसार पटाखों का भंडारण और बिक्री केवल निर्धारित और स्वीकृत स्थल पर ही की जा सकती है।







खास खबर



विष्णु के पाती पाकर खुश हुईं लखपति दीदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से शुभकामना संदेश के रूप में भेजी गई विष्णु के पाती' पाकर सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत दरिमा की रहने वाली लखपति दीदी सूरज यादव बेहद खुश हैं। विष्णु के पाती मिलने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं और महिला स्व-सहायता समूह से मिले सहयोग ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। कभी छोटे से चाट ठेले से आजीविका की शुरुआत करने वाली सूरज यादव आज अपना होटल संचालित कर रही हैं और लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। ग्राम गरिमा की रहने वाली सूरज यादव शिव शक्ति महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं। उन्होंने बताया कि समूह से पहली बार 10 हजार रुपये का ऋण लेकर छोटा सा चाट ठेला शुरू किया। इससे हुई आमदनी ने उन्हें आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया। इसके बाद उन्होंने समूह से 15 हजार रुपये का ऋण लेकर अपनी गिरवी रखी कृषि भूमि छुड़ाई। स्वरोजगार को विस्तार देने के लिए उन्होंने पुन: 30 हजार रुपये का ऋ ण लिया और अपना होटल शुरू किया। व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए 50 हजार रुपये का अतिरिक्त ऋण लेकर होटल में निवेश किया। लगातार मेहनत और समूह से मिले आर्थिक सहयोग के बल पर आज वे सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय संचालित कर रही हैं। सूरज यादव ने बताया कि होटल व्यवसाय से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। अब उन्होंने समूह से ढाई लाख रुपये का ऋण लेकर अपने घर का निर्माण भी शुरू कराया है। छोटे से व्यवसाय से शुरू हुआ उनका सफर आज आर्थिक आत्मनिर्भरता तक पहुंच चुका है। वे स्वयं को लखपति दीदी के रूप में स्थापित कर चुकी हैं।

सेवा सेतु केंद्र बना आम नागरिकों के लिए राहत का माध्यम, रामशरण को एक ही स्थान पर मिले तीन प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सुलभ और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में सेवा सेतु केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है।

दुर्ग जिले के पाटन तहसील अंतर्गत ग्राम खोरपा निवासी रामशरण यादव के लिए भी सेवा सेतु केंद्र सुविधाजनक साबित हुआ। उन्हें एक ही स्थान पर आवेदन करने से आय, जाति और निवास के तीन महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। रामशरण यादव ने 03 सितंबर को तहसील कार्यालय पाटन स्थित सेवा सेतु केंद्र पहुंचकर आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था।

आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 10 अक्टूबर 2026 को उन्हें तीनों प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए। एक ही केंद्र से सभी प्रमाण पत्र मिलने के कारण उन्हें अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। रामशरण यादव ने बताया कि पहले आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने के लिए विभिन्न कार्यालयों में जाना पड़ता था। इससे समय और मेहनत दोनों अधिक लगते थे। सेवा सेतु केंद्र में एक ही स्थान पर आवेदन करने की सुविधा मिलने से यह प्रक्रिया काफी आसान हो गई है। उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाए बिना तीनों प्रमाण पत्र मिल गए।

उन्होंने इस व्यवस्था पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को विशेष सहूलियत मिल रही है। सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से विभिन्न शासकीय सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था नागरिकों के लिए उपयोगी साबित हो रही है।

आवेदन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने से लोगों का समय बच रहा है तथा आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा मिल रही है। रामशरण यादव का अनुभव दर्शाता है कि सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से शासकीय सेवाओं की पहुंच आम नागरिकों तक अधिक सुगम हो रही है।

खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए दो वर्ष का रोडमैप तैयार करने के दिए निर्देश, बस्तर में विकास कार्यों पर विशेष जोर

डीएमएफ की कार्ययोजना में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना को दें प्राथमिकता - राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की राशि का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास और वहां के निवासियों के जीवन स्तर में सुधार के लिए किया जाना चाहिए। इसके तहत पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि सतत विकास के लिए पर्यावरण संरक्षण आवश्यक है। इसके लिए सुनियोजित कार्ययोजना तैयार करने के साथ पर्यावरणविदों का भी सहयोग लिया जाए।



राज्यपाल डेका लोक भवन में जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की गतिविधियों, खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों तथा आगामी पांच वर्षों की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने डीएमएफ की राशि के प्रभावी और सुनियोजित उपयोग के लिए कम से कम दो वर्ष का रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए डीएमएफ से आवश्यक कार्य किए जाएं। साथ ही उद्योगों से चर्चा कर पर्यावरणीय मानकों और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को अभियान के रूप में संचालित करने पर उन्होंने जोर दिया।

राज्यपाल ने नदियों से रेत उत्खनन के संबंध में वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल तरीकों को अपनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि रेत रहेगी तो पानी रहेगा और पानी रहेगा तो रेत रहेगी। रेत खदानों में वैज्ञानिक तरीके से उत्खनन को लेकर विशेष अभियान चलाने की बात भी कही।

राज्यपाल ने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे आम जनता से संवाद करें और उनकी आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं को समझें। इसके अनुरूप डीएमएफ की कार्ययोजना तैयार की जाए। विकास कार्यों के क्रियान्वयन में जनप्रतिनिधियों को भी विश्वास में लेना आवश्यक है। प्रशासन को जनता के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए और उन्हें स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि कौन से कार्य किए जा सकते हैं तथा किन कार्यों को करना संभव नहीं है। उन्होंने डीएमएफ की नियमित बैठकें आयोजित करने को कहा, ताकि कार्यों की प्रगति की समीक्षा और आवश्यक निर्णय समय पर लिए जा सकें। राज्यपाल ने कहा कि डीएमएफ के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक कल्याण और विकास से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विशेष उद्देश्यों के लिए डीएमएफ के अंतर्गत कार्य निर्धारित किए जाते हैं, उन कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने बस्तर क्षेत्र में डीएमएफ के माध्यम से विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो लोग मुख्यधारा में लौट आए हैं, उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उनके पुनर्वास, सामाजिक सुरक्षा और जीवन स्तर में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि वे विकास की प्रक्रिया से जुड़ सकें।

'विशेष पिछड़ी जनजातियों के स्वास्थ्य और जीवनशैली पर दें ध्यान'

राज्यपाल ने खनन प्रभावित क्षेत्रों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजातियों के कल्याण पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने इन जनजातीय समुदायों के लिए विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित करने तथा स्वास्थ्य एवं जीवनशैली में सुधार के लिए जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन समुदायों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जाएं और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। राज्यपाल ने कहा कि मनरेगा की तर्ज पर डीएमएफ के कार्यों में भी परिसंपत्तियों का निर्माण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही निर्मित परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन पर भी ध्यान दिया जाए, ताकि यह पता चल सके कि स्वीकृत कार्यों का वास्तविक क्रियान्वयन हुआ है और उनसे क्षेत्र के लोगों को लाभ मिल रहा है। राज्यपाल ने खनन प्रभावित क्षेत्रों में विस्थापित हुए लोगों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से विस्थापित परिवारों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि प्रभावित और विस्थापित परिवारों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए उनके लिए संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

छोटेडोंगर सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से तीन नवविवाहित जोड़ों को मिले विवाह प्रमाण पत्र



नारायणपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं कलेक्टर नम्रता जैन के मार्गदर्शन में नारायणपुर जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में निवासरत लोगों को शासकीय सेवाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत छोटेडोंगर में तीन नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत छोटेडोंगर के उप सरपंच संतोष बैठरू, ग्राम पटेल दीपक बेलसरिया के द्वारा नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इनमें गुलसा मांझी एवं युधिष्ठिर मांझी, जयंती बेलसरिया एवं वासुदेव बेलसरिया तथा यशोधरा मांझी एवं जयसिंह मांझी शामिल हैं। सभी जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके सुखद एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को उनके नजदीकी क्षेत्र में ही विभिन्न आवश्यक दस्तावेजों एवं शासकीय सेवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे ग्रामीणों को प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दूरस्थ शासकीय कार्यालयों तक जाने की परेशानी से राहत मिल रही है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि दूरस्थ एवं अंदरूनी क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को भी आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध हों तथा वे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त कर सकें।

प्रमुख विकास कार्यों को गति दें- मुख्य सचिव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य में प्रस्तावित विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा भविष्य की योजनाओं को लेकर रूपरेखा तैयार की गई।



मुख्य सचिव विकासशील ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि प्रस्तावित निर्माण कार्यों के लागत तुलनात्मक विश्लेषण में पूरी स्पष्टता रखी जाए, जिससे प्रत्येक परियोजना की लागत का उचित और यथार्थवादी आकलन संभव हो सके। उन्होंने आगामी बजट में शामिल किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों की समय रहते पहचान करने और उनकी आवश्यक प्रशासनिक व तकनीकी तैयारियां पहले से ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। मुख्य रूप से इन परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कांकेर जिला में भानुप्रतापपुर-कांकेर-पंखाजूर मार्ग पर पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण कार्य।

बिलासपुर क्षेत्र में बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण तथा बिलासपुर जिले में फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण का कार्य शामिल है। दुर्ग एवं अन्य परिक्षेत्र में नगरी-कांकेर-भानुप्रतापपुर-मानपुर-राजनांदगांव-कवर्धा-फास्टरपुर कुंडा मार्गों तथा कुम्हारी, अहिवारा-धमधा-गंडई-साल्हेवारा मार्गों का उन्नयन एवं चौड़ीकरण कार्य।

बैठक में शासन के कई वरिष्ठ विभागों के प्रमुख सचिव और सचिव मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख रूप से वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार, जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश कुमार टोप्पो, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव भुवनेश यादव, ऊर्जा विभाग के सचिव सारांश मित्तर सहित विभिन्न विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

डिजिटल जनसेवा से ग्रामीणों को मिल रही सुविधा

बीजापुर। जिला प्रशासन बीजापुर की डिजिटल जनसेवा पहल के अंतर्गत सेवा सेतु के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, सुगम एवं सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल से विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को प्रमाण-पत्र संबंधी सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर मिल रहा है। इसी क्रम में भैरमगढ़ निवासी आलोक अमन गेस्मा के आय प्रमाण-पत्र हेतु सेवा सेतु केंद्र भैरमगढ़ के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया पूरी की गई। डिजिटल माध्यम से आवेदन की सुविधा उपलब्ध होने से नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों के लिए शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।



दीपावली पर बस्तर के परचनपाल की हस्तकला का जलवा...

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आगामी दीपावली और अन्य प्रमुख त्योहारों की आहट के साथ ही बाजारों में स्थानीय कला और पर्यावरण-अनुकूल (इको-फ्रेंडली) हस्तनिर्मित उत्पादों की रौनक देखते ही बन रही है। इस त्योहारी माहौल में बस्तर जिले के बस्तर के परचनपाल गांव की ख्यातिप्राप्त हस्तशिल्प कलाकार श्रीमती शोभा बघेल द्वारा सीसल के प्राकृतिक रेशों से तैयार किए गए कलात्मक बैग और आकर्षक सजावटी उत्पाद आमजन की पहली पसंद बनकर उभरे हैं। घरों की साज-सज्जा और उपहारों के आदान-प्रदान के लिए इन कलाकृतियों की बढ़ती मांग ने त्योहारों के उत्साह को और बढ़ा दिया है।

त्योहारी सीजन में अपने उत्पादों की बढ़ती मांग के बीच शिल्पकार शोभा बघेल ने नागरिकों से स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की भावुक अपील की है। उनका कहना है कि पर्व-त्योहारों पर बाजार के सामान्य सामानों के बजाय यदि लोग हमारे स्थानीय कारीगरों के हस्तशिल्प को अपनाएं, तो उत्सवों की खुशियां और अधिक दोगुनी हो जाती हैं। इससे न केवल हमारी पारंपरिक कला को सम्मान मिलता है, बल्कि दिन-रात पसीना बहाकर इन अनुपम कृतियों को तराशने वाले स्थानीय शिल्पकारों के परिवारों के जीवन में भी वास्तविक आर्थिक समृद्धि का उजाला फैलता है।

श्रीमती शोभा बघेल की यह सफलता उनकी अटूट इच्छाशक्ति, अथक परिश्रम और पारंपरिक हुनर के अनूठे संगम की जीवंत मिसाल है। उनके इस प्रेरणादायी सफर की शुरुआत वर्ष 2004 में हुई थी, जब उन्होंने हस्तशिल्प विकास बोर्ड से सीसल के रेशों से हस्तशिल्प तैयार करने का विशेष प्रशिक्षण हासिल किया था।

प्रशिक्षण के बाद उन्होंने सीसल के मजबूत और प्राकृतिक रेशों को बारीक गूंथकर बैग, दीवार सज्जा, टेबल मैट और उपहार योग्य करीब 40 से 50 प्रकार की बेहद आकर्षक व टिकाऊ कलाकृतियां बनाना शुरू किया। समय के साथ उनकी इस अनूठी कला को व्यापक पहचान मिली। आज उनके उत्पादों की मांग चित्रकोट, शबरी एम्पोरियम, राज्योत्सव और सरस मेलों जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर बड़े पैमाने पर है। बड़ी संख्या में लोग सीधे उनके घर पहुंचकर भी खरीदारी करना पसंद कर रहे हैं, जिससे उन्हें प्रतिमाह 15 हजार से 20 हजार रुपये तक की नियमित और सम्मानजनक आय हो रही है।

त्योहारी सीजन में अपने उत्पादों की बढ़ती मांग के बीच शिल्पकार शोभा बघेल ने नागरिकों से स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की भावुक अपील की है। उनका कहना है कि पर्व-त्योहारों पर बाजार के सामान्य सामानों के बजाय यदि लोग हमारे स्थानीय कारीगरों के हस्तशिल्प को अपनाएं, तो उत्सवों की खुशियां और अधिक दोगुनी हो जाती हैं। इससे न केवल हमारी पारंपरिक कला को सम्मान मिलता है।

एक हजार से अधिक ग्रामीण महिलाओं को बनाया आत्मनिर्भर

अपनी पारिवारिक आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के साथ-साथ शोभा बघेल ने समाज के प्रति अपने दायित्व को भी पूरी निष्ठा से निभाया है। उन्होंने अपने हुनर को अपने तक सीमित रखने के बजाय ग्रामीण अंचल की एक हजार से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा है और स्वावलंबन का एक नया मार्ग प्रशस्त किया है। त्योहारों के इस पावन अवसर पर पर्यावरण-अनुकूल सीसल उत्पादों की यह गूंज प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल के संकल्प को तो सशक्त कर ही रही है, साथ ही महिला सशक्तीकरण और जमीनी स्तर पर आत्मनिर्भरता की एक अनूठी और प्रेरणादायी मिसाल भी पेश कर रही है।

धमतरी के युवाओं को आधुनिक तकनीकी शिक्षा से जोड़ने की पहल, 400 विद्यार्थियों ने दी निःशुल्क छात्रवृत्ति परीक्षा

पीआईवीओटी एआई प्रशिक्षण केंद्र में मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगा 80 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। युवाओं को आधुनिक तकनीक, डिजिटल कौशल और भविष्य की रोजगारपरक संभावनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में धमतरी जिले के विद्यार्थियों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की पहल की गई है। इस पहल के तहत नगर पालिक निगम धमतरी के सहयोग से संचालित पीआईवीओटी एआई प्रशिक्षण केंद्र में विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें जिले के 400 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने नगर पालिक निगम आयुक्त को किफायती दरों पर अधिकाधिक प्रशिक्षण सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए थे। इसके परिपालन में नगर निगम द्वारा रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित कर सहकार्य स्थल (को-वर्किंग स्पेस) की शुरुआत की गई।



इसी व्यवस्था के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए पीआईवीओटी प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया।

घड़ी चौक स्थित नगर निगम कॉम्प्लेक्स के तृतीय तल पर संचालित पीआईवीओटी एआई प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित परीक्षा चार अलग-अलग पालियों में संपन्न हुई, ताकि विद्यार्थियों को सुविधाजनक एवं व्यवस्थित ढंग से परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिल सके। विद्यार्थियों ने इस पहल में बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

इस अवसर पर नगर निगम के महापौर श्री रामू रोहरा ने प्रशिक्षण केंद्र का भ्रमण कर वहां उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं एवं गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित आधुनिक तकनीकी कौशलों का प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर बल देते हुए अधिकाधिक विद्यार्थियों को इस सुविधा से जोड़ने के संबंध में सुझाव दिए। साथ ही इस दिशा में नगर निगम की ओर से आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की बात कही।

पीआईवीओटी एआई प्रशिक्षण केंद्र के संस्थापक श्री अभिषेक भट्टाचार्य ने बताया कि छात्रवृत्ति परीक्षा में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के शुल्क में अधिकतम 80 प्रतिशत तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इसके अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को अधिकतम 3 हजार रुपये तक की शुल्क छूट मिलेगी। इससे आर्थिक रूप से सामान्य पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को भी आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने बताया कि इस पहल का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना, तकनीकी शिक्षा तक उनकी पहुंच बढ़ाना तथा उन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक उपयोग से परिचित कराना है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप नए कौशल विकसित कर सकेंगे और भविष्य में रोजगार, स्वरोजगार, व्यवसाय तथा उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए स्वयं को तैयार कर सकेंगे।

वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, संचार, व्यापार और प्रशासन सहित अनेक क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही नई तकनीकों की जानकारी एवं उनका व्यावहारिक प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। तकनीकी दक्षता के साथ रचनात्मक सोच, समस्या समाधान और नवाचार की क्षमता विकसित करना भी युवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। जिला प्रशासन और नगर पालिक निगम की इस पहल से धमतरी के युवाओं को अपने ही जिले में आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध हो रहा है। यह प्रयास युवाओं में डिजिटल दक्षता विकसित करने, तकनीकी शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने तथा उन्हें बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950